P372

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, बुधवार 08 अप्रैल 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 138

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

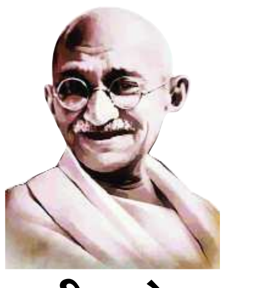

राष्ट्रपिता को नमन...

विश्वगुरु की दहलीज पर खड़ा भारत... और सीजफायर में 'हमारी कोई भूमिका नहीं'?

अक्षय की बात अपनों के साथ

भारत आज वैश्विक मंच पर खुद को 'विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, कूटनीतिक सक्रियता, और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बढ़ती उपस्थिति—इन सबने भारत की छवि को एक प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में गढ़ा है। लेकिन जब वैश्विक संकटों में मध्यस्थता या समाधान की बात आती है, तो एक सवाल बार-बार उभरता है—क्या हम वास्तव में उस भूमिका में हैं, जिसके हम दावेदार हैं? देर रात्रि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे संघर्षों के बीच जब 'सीजफायर' (युद्धविराम) की घोषणा हुई, तब भी भारत की ओर से यह संकेत आया कि इस प्रक्रिया में हमारी कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं है। यह बयान अपने आप में कई प्रश्न खड़े करता है। क्या विश्वगुरु बनने का सपना केवल आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव तक सीमित है, या उसमें वैश्विक शांति और कूटनीतिक नेतृत्व भी शामिल है?

भारत की विदेश नीति पारंपरिक रूप से 'गुटनिरपेक्षता' और 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व' के सिद्धांतों पर आधारित रही है। पंचशील के सिद्धांतों से लेकर संयुक्त राष्ट्र में शांति मिशनों तक, भारत ने हमेशा एक जिम्मेदार राष्ट्र की भूमिका निभाई है। फिर भी, आज के समय में जब दुनिया बहुध्रुवीय हो रही है, तो अपेक्षाएं भी बदल रही हैं। अब केवल निष्पक्ष रहना ही पर्याप्त नहीं माना जाता, बल्कि सक्रिय पहल की भी अपेक्षा की जाती है। वर्तमान परिदृश्य में, जहां बड़े-बड़े देश अपने-अपने हितों के हिसाब से वैश्विक समीकरण तय कर रहे हैं, भारत का 'हमारी कोई भूमिका नहीं' वाला रुख कहीं न कहीं उसकी महत्वाकांक्षाओं से मेल नहीं खाता। यदि हम खुद को विश्वगुरु के रूप में प्रस्तुत करते हैं, तो हमें केवल ज्ञान और संस्कृति ही नहीं, बल्कि वैश्विक संकटों में समाधानकर्ता की भूमिका भी निभानी होगी।

हालांकि, यह भी सच है कि हर संघर्ष में कूद पड़ना कूटनीतिक समझदारी नहीं होती। कई बार पर्दे के पीछे की गई बातचीत और संतुलन बनाए रखना ही सबसे बड़ी रणनीति होती है। संभव है कि भारत भी इसी रास्ते पर चल रहा हो—जहां वह खुलकर सामने नहीं आ रहा, लेकिन अपने स्तर पर प्रयास कर रहा हो। अंततः, 'विश्वगुरु' बनने का अर्थ केवल एक उपाधि हासिल करना नहीं है, बल्कि उस जिम्मेदारी को निभाना भी है जो इसके साथ आती है। भारत को यह तय करना होगा कि वह वैश्विक मंच पर एक दर्शक बना रहना चाहता है या फिर एक निर्णायक भूमिका निभाने वाला नेतृत्वकर्ता। क्योंकि आज की दुनिया में, केवल यह कहना कि 'हमारी कोई भूमिका नहीं' कभी-कभी सबसे बड़ी भूमिका से पीछे हटने जैसा भी लगता है।

न्यूज ब्रीफ

- पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मोहसिना किदवई का निधन, 94 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस
- चुनाव : बीएसएफ के अफसरों और जवानों की छुट्टियां रद्द, तुरंत लौटने के आदेश; पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा तैनाती
- असम, केरल और पुदुचेरी में कल होगा मतदान
- मप्र में बदला मौसम, 18 जिलों में आंधी-बारिश, कई जिलों में ओलों का अलर्ट
- इंदौर जलअभाव ग्रस्त शहर घोषित, बोरिंगों पर लगाई रोक

40 दिन बाद हुआ दो हफ्ते का सीजफायर

■ ट्रंप ने पाक के पीएम और आर्मी चीफ की अपील पर लिया फैसला

■ अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच पाकिस्तान में होगी चर्चा

होर्मुज से गुजरने पर फीस वसूलेंगे ईरान-ओमान

अमेरिका और ईरान के बीच हुए 2 हफ्ते के सीजफायर समझौते को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर ईरान और ओमान फीस वसूल सकेंगे। एजेंसी रिपोर्ट में एक पाकिस्तानी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि यह प्रावधान सीजफायर डील का हिस्सा है। अधिकारी सीधे वार्ता में शामिल था और उसने पहचान उजागर न करने की शर्त पर यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान इस शुल्क से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल जंग में हुए नुकसान के पुनर्निर्माण में करेगा, जबकि ओमान इस रकम का किस तरह उपयोग करेगा, यह अभी साफ नहीं है।

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी(एजेंसी) • अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग के बाद आखिरकार 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया। सीजफायर से पहले ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को सुरक्षित रास्ता नहीं मिला तो वह उसकी पूरी सभ्यता खत्म कर देंगे। उन्होंने अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले की भी धमकी दी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह डील पाकिस्तान की मध्यस्थता और आखिरी समय में चीन के दखल के बाद संभव हो पाई। पाकिस्तान ने 2 हफ्ते के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था, जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया। समझौते के तहत अमेरिका और इजराइल अपने हमले रोकेंगे। ईरान भी हमले बंद करेगा। इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट से तेल, गैस और अन्य जहाजों की सुरक्षित आवाजाही ईरानी सेना की मदद से सुनिश्चित की जाएगी। यह सीजफायर लेबनान समेत अन्य क्षेत्रों पर भी लागू होगा। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच 10 अप्रैल को औपचारिक बातचीत पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुरू होगी।

ईरान ने अमेरिका को 10 पाइंट का प्लान भेजा

ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिका को 10 पाइंट का प्लान भेजा है। उन्होंने कहा कि इस पर आगे बातचीत की जा सकती है। वहीं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने दावा किया है कि अमेरिका ने उसका 10 पॉइंट प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। काउंसिल के मुताबिक यह समझौता ईरान की शर्तों पर हुआ है और इसे देश की जीत बताया है।

दुनिया की शांति के लिए बड़ा दिन-ट्रंप

सीजफायर के बाद ट्रम्प ने इसे दुनिया की शांति के लिए बड़ा दिन बताया है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि ईरान अब संघर्ष से थक चुका है और शांति चाहता है। साथ ही अन्य पक्ष भी तनाव खत्म करने के पक्ष में हैं, ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को संभालने में मदद करेगा, ताकि व्यापार और सप्लाई सामान्य बनी रहे। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में कई सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे और इससे आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अब अपने देश के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। अमेरिका इस दौरान सप्लाई उपलब्ध कराएगा और हालात पर नजर बनाए रखेगा।

इजराइल बोला- लेबनान में जारी रहेगा संघर्ष, सीजफायर सिर्फ ईरान में

अमेरिका और ईरान के बीच हुए 2 हफ्ते के सीजफायर के बीच इजराइल ने साफ कर दिया है कि यह युद्धविराम लेबनान पर लागू नहीं होगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। इजराइल ने कहा कि वह ईरान के खिलाफ 2 हफ्ते तक हमले रोकने पर सहमत है, लेकिन यह फैसला इस शर्त पर लिया गया है कि ईरान तुरंत होर्मुज स्ट्रेट खोले और अमेरिका, इजराइल व क्षेत्रीय देशों पर सभी हमले बंद करे। बयान में कहा गया कि यह सीजफायर लेबनान को शामिल नहीं करता, यानी वहां इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष जारी रह सकता है। इजराइल ने यह भी कहा कि वह अमेरिका के उस प्रयास का समर्थन करता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि ईरान भविष्य में परमाणु, मिसाइल और आतंक से जुड़ा खतरा न बने। साथ ही बयान में यह भी कहा गया कि ईरान के पास फिलहाल परमाणु हथियार नहीं हैं, लेकिन इसके बावजूद इजराइल उसे एक संभावित खतरे के रूप में देखता है।

शेयर बाजार ने किया ग्रैंड वेलकम, 2700 अंक उछला

शेयर बाजार पर अमेरिका-ईरान में हुए दो हफ्ते के सीजफायर का सीधा असर पड़ा है। खुलने के साथी ही बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2700 अंक से ज्यादा चढ़ गया, तो वहीं एनएसई निफ्टी ने भी ओपनिंग के साथ ही 800 अंकों की तगड़ी छलांग लगा दी। ग्लोबल मार्केट में बंपर तेजी के बीच शेयर बाजार के लिए पॉजिटिव सिग्नल पहले से ही मिल रहे थे. एशियाई शेयर बाजारों में ट्रेडिंग की शुरुआत के साथ ही जोरदार तेजी दर्ज की गई। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स शुरुआती कारोबार में 4% से ज्यादा चढ़ गया, जबकि द.कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 5% से ज्यादा उछल गया। निवेशकों में भरोसा लौटा है और बाजार ने राहत की सांस ली है। वहीं, मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर कमजोर हो गया। डॉलर जापानी येन और दक्षिण कोरियाई वॉन के मुकाबले गिरा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सीजफायर और तेल की कीमतों में गिरावट ने बाजार को मजबूती दी है, हालांकि आगे की स्थिति इस बात पर निर्भर करेगी कि यह सीजफायर कितना टिकता है।

शांति की आहट ने कच्चे तेल के भाव को गिराया

फैसले का असर तुरंत वैश्विक बाजारों पर दिखा। कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत करीब 18% गिरकर लगभग 92.60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई, जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 6% गिरकर 103.40 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि, ये कीमतें अभी भी युद्ध शुरू होने से पहले के स्तर से ज्यादा हैं।

चौइथराम हॉस्पिटल के सामने की जमीन पर हुई कार्रवाई

कलेक्टर की स्ट्राइक : 200 करोड़ की बेशकीमती जमीन को कराया अतिक्रमण से मुक्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • पिपलिया राव क्षेत्र में चौइथराम हॉस्पिटल के सामने जिला प्रशासन और नगर निगम के संयुक्त अमले ने शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के संबंध में बड़ी कार्रवाई की है । इस कार्रवाई में 200 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की बेशकीमती शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है।

यह कार्रवाई कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में एवं एसडीएम जूनी इंदौर घनश्याम धनगर के मार्गदर्शन में की गई। प्रशासनिक अमले ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को प्रभावी रूप से सम्पन्न किया। धनगर ने बताया कि यह भूमि चोइथराम अस्पताल के ठीक सामने स्थित है। इस भूमि पर खुशबीर सिंह पिता दलजीत सिंह का लंबे समय से कब्जा था। राजस्व न्यायालय से प्रकरण में अतिक्रमण हटाने के आदेश हुए थे ।विगत 25 फरवरी 2026 को अंतिम सूचना पत्र जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। यह भूमि ग्राम पिपलिया राव स्थित सर्वे क्रमांक 19/1, 20/1, 21/1 और 22/2 में स्थित है। इसका कुल रकबा 1.784 हेक्टेयर है।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा है कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। कार्यवाही के दौरान तहसीलदार राकेश सस्तिया, कमलेश कुशवाह, नायब तहसीलदार डीपी सोनी, रिमूवल अधिकारी अंकेश बिरथरे, बबलू कल्याणे आदि उपस्थित रहे।

सवालों के घेरे में पुलिस मुख्यालय की 2.5 करोड़ रु. की सॉफ्टवेयर खरीदी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • साइबर फॉरेंसिक लैब के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा ढाई करोड़ रुपये से दो अलग-अलग तरह के हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर खरीदी को लेकर वित्त विभाग ने भी कड़ी आपत्ति की है। विभाग ने गृह विभाग से चार बिंदुओं पर जवाब मांगा है। इसमें पहला यह कि वित्तीय अधिकार नियम 1995 के अंतर्गत डीजीपी को सॉफ्टवेयर खरीदी के अधिकार नहीं हैं। फिर किस नियम के अंतर्गत खरीदी की गई उसका विवरण दें।

दूसरा यह कि जब डीजीपी को अधिकार नहीं हैं तो क्या गृह विभाग से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति ली गई है। तीसरा, किस बजट शीर्ष से सॉफ्टवेयर खरीदा गया है। चौथा यह कि सॉफ्टवेयर की खरीदी एक तकनीकी विषय है। क्या पुलिस मुख्यालय ने इसके लिए तकनीकी समिति का गठन किया था। साथ ही गृह विभाग ने भी पुलिस मुख्यालय से खरीदी के अधिकार के संबंध में जानकारी मांगी है। साइबर फॉरेंसिक जांच के लिए आठ नग सेलेब्राइट इनसाइट ऑनलाइन प्रो सॉफ्टवेयर और एक नग सेलेब्राइट प्रीमियम सॉफ्टवेयर (मोबाइल फोन फॉरेंसिक के लिए) की खरीदी की गई है, जिस पर गृह और वित्त विभाग को आपत्ति है। हालांकि, पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों का कहना है कि खरीदी नियमानुसार की गई है। भ्रम की स्थिति हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को लेकर है, जिसे स्पष्ट करते हुए गृह विभाग को जानकारी भेज दी गई है।

रेपो रेट में बदलाव नहीं लोन महंगे नहीं होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) • इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25% पर बरकरार रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 8 अप्रैल को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी दी। इससे पहले फरवरी में भी रेपो रेट में बदलाव नहीं किया था।

आरबीआई ने दिसंबर में ब्याज दर 0.25% घटाकर 5.25% की थी। आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है तो बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है और वे इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं।

- 2025 में चार बार में 1.25% की कटौती
- फरवरी 2025 में ब्याज दरों को 6.5% से घटाकर 6.25% कर दिया था।
- मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी।
- दूसरी बार अप्रैल में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर 0.25% घटाई गई।

- जून में तीसरी बार आरबीआई में दरों में 0.50% कटौती की थी।
- दिसंबर में 0.25% की कटौती के बाद ब्याज दरें 5.25% पर आ गई थी।

रेपो रेट पर लिए गए फैसले की वजह

- महंगाई दरअभी काबू में है, लेकिन इसके बढ़ने का खतरा बना हुआ है।
- मौसम में बदलाव की वजह से खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने की आशंका है।
- ऐसे हालात में 'रुको और देखो' की नीति अपनाना ही समझदारी है।
- कच्चे तेल की ऊंची कीमतें करेंट अकाउंट डेफिसिट को बढ़ा सकती हैं।
- हर दो महीने में होती है आरबीआई की मीटिंग

गौतम पार्क कॉलोनी के कॉलोनाइजर का बड़ा खेल उजागर

कॉलोनाइजर ने नहीं जमा किया 13 लाख रुपए का टैक्स, सरकार को लगाया लाखों का चूना

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा के कॉलोनाइजरों ने अवैध कॉलोनी के साथ भ्रष्टाचार का अड्डा बना रखा है। आम जनता तो ठीक कॉलोनाइजर भी अब सरकार को भी चूना लगाने का काम कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं गौतमपुरा की गौतम पार्क कॉलोनी की। कॉलोनाइजर ने ग्राहकों को प्लाट तो बेच दिए, लेकिन गौतमपुरा नगर परिषद को टैक्स जमा नहीं किया। जानकारी में पता चला गौतम पार्क कॉलोनी का मूल टैक्स 11 लाख रुपए बकाया है, ब्याज सहित यह रकम 13 लाख रुपए के लगभग टैक्स बकाया है।कॉलोनाइजर ने ग्राहकों को प्लाट बेचकर खुलेआम धोखाधड़ी की है। प्लाट धारक अब न्याय की गुहार लगा रहे हैं। कॉलोनाइजर के हौसले इतने बुलंद है कि सरकार को ही लाखों के टैक्स का चूना लगा दिया। कॉलोनी में कुल पांच लोगों ने डील की अलग-अलग लोगों ने ग्राहकों को प्लाट बेचे। अब वह फोन नहीं उठा रहे हैं। बात करने में आनाकानी कर रहे हैं प्लाट धारक अब दर दर की ठोकरे खाने को मजबूर है। कॉलोनी में मूलभूत सुविधा नहीं है कहीं महीनो से बिजली कॉलोनी में नहीं पहुंची ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, लेकिन वहां बिजली नहीं है। सूत्रों से पता चला है कि कॉलोनाइजर द्वारा डायरेक्ट बिजली के तार टांगे गए हैं। इससे वहां पानी की मोटर चला सके । कॉलोनी का बिजली बिल भी बकाया है। स्ट्रीट लाइट के दूर-दूर तक कोई दर्शन नहीं है। कॉलोनी में ड्रेनेज भी नहीं है। कॉलोनी के रहवासियों को लगातार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नाम नहीं छापने के शर्त पर एक पीड़ित ने बताया कि कॉलोनाइजर ने हमारे साथ धोखाधड़ी की है ना नगर परिषद में टैक्स जमा किया ना बिजली की व्यवस्था है ना पानी निकालने की व्यवस्था है। ऐसे में हम बुरी तरह फंस चुके हैं। रहवासियों ने कहा कि इस मामले की शिकायत हम देपालपुर एसडीएम और इंदौर कलेक्टर के समक्ष करेंगे। साथ ही ग्राहकों के साथ की गई धोखाधड़ी पर एफआईयार भी दर्ज करवाएंगे। गौतमपुरा क्षेत्र में कहीं ऐसी अवैध कॉलोनी है, जहां ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी की गई है। बड़े-बड़े विज्ञापन देकर प्लाट बेचे गए, लेकिन मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा गया। क्या अब गौतमपुरा में कॉलोनी के नाम पर भ्रष्टाचार का अड्डा चल रहा है? क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारी मुख दर्शन में बैठे हैं। भ्रष्टाचार लगातार चरम पर है। अब देखना होगा की जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में क्या कार्यवाही करते हैं।

आयुक्त के निर्देश, हर 15 दिन में देना होगा हिसाब

इंदौर में अवैध कॉलोनियों पर कड़ा एक्शन, अब एफआईआर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में फैल रहे अवैध कॉलोनी निर्माण पर नगर निगम ने सख्त कार्रवाई का बिगुल बजा दिया है। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अब किसी भी नई अनाधिकृत कॉलोनी को बनने नहीं दिया जाएगा, और नियम तोड़ने वालों पर सीधे एफआईआर दर्ज की जाएगी। नगर निगम के इस आदेश के बाद अब बिल्डरों और कॉलोनाइजरों के लिए बिना अनुमति कॉलोनी काटना आसान नहीं रहेगा। निगम ने सभी भवन अधिकारियों और निरीक्षकों को अलर्ट मोड पर रखते हुए कहा है कि जैसे ही कहीं अवैध निर्माण की जानकारी मिले, तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करें, निर्माण हटाएं और पंचनामा बनाकर केस दर्ज कराएं।

निगरानी के लिए पूरा सिस्टम एक्टिव: अवैध कॉलोनियों पर रोक के लिए निगम ने बहुस्तरीय निगरानी तंत्र लागू किया है। भवन अधिकारी, जोनल अधिकारी, राजस्व विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीमें अब अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार नजर रखेंगी। हर स्तर पर जानकारी इकट्ठा कर कॉलोनी सेल को भेजना अनिवार्य किया गया है। निगम ने अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए नया नियम लागू किया है।

लापरवाही पर तय होगी व्यक्तिगत जिम्मेदारी–आयुक्त ने साफ कर दिया है कि यदि किसी क्षेत्र में अवैध कॉलोनी बनती पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय होगी। नगर निगम के इस सख्त रुख से साफ संकेत मिलते हैं कि अब शहर में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई जा रही है। हालांकि, पहले भी ऐसे आदेश जारी होते रहे हैं, ऐसे में अब नजर इस बात पर रहेगी कि यह सख्ती जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी साबित होती है।

न्यूज ब्रीफ

प्रेस क्लब स्थापना दिवस कल, अनेक कार्यक्रम होंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • देश के मूर्धन्य पत्रकार, इंदौर प्रेस क्लब संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र माथुर का गुरुवार, 9 अप्रैल को पुण्य स्मरण दिवस है। पलासिया चौराहे स्थित स्व. माथुर की प्रतिमा पर सुबह 8.30 बजे इंदौर प्रेस क्लब और मीडिया के साथियों द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम और महासचिव प्रदीप जोशी ने बताया कि स्थापना दिवस के मौके पर शाम 4 बजे इंदौर प्रेस क्लब के राजेंद्र माथुर सभागार में इंदौर घराने की पत्रकारिता पर किस्सागोई का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें वरिष्ठ पत्रकार सतीश जोशी, प्रकाश हिंदुस्तानी, तपेन्द्र सुगंधी, प्रवीण शर्मा, हेमन्त पाल और अरविंद तिवारी अतिथि वक्ता के रूप में शामिल होंगे।

भूत से शिक्षा लेकर वर्तमान को सुधारना चाहिए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अप्रतिम नाट्य महोत्सव के अंतर्गत , डीएवीवी ऑडिटोरियम में रविवार को 'हंस वाहिनी कला समूह' द्वारा 'भूत और वर्तमान' नाटक का मंचन किया गया। यह नाटक नारी सशक्तिकरण पर आधारित था। इस नाटक भूत के जरिए , ऐसी महिलाओं की कहानी को मंच पर प्रस्तुत किया गया जो महिलाएं घर में डोमेस्टिक वायलेंस का शिकार होती हैं परंतु फिर भी समाज के डर से ,अपने खानदान की इज्जत के डर से , अपने ऊपर घटित हो रहे अत्याचार को कभी भी किसी को बताती नहीं है। सीता के किरदार में गरिमा जैन, द्रोपदी के किरदार में वैष्णवी सिंह ने बहुत ही सहज प्रस्तुतियां दी।

लापरवाह प्रभारी उपयंत्री और ड्रेनेज सुपरवाइजर को कार्य से किया मुक्त

ड्रेनेज लाइन चेम्बर में व्यक्ति के गिरने की घटना पर कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा जोन कं. 17, वार्ड कं. 18 के अंतर्गत कुशवाह नगर (भगत सिंह नगर) मेनरोड पर ड्रेनेज लाइन के चेम्बर में नागरिक के गिरने की घटना संज्ञान में आने पर कार्य के प्रति लापरवाही एवं वरिष्ठ स्तर से इस संबंध में दिये गये निर्देशों का पालन नहीं करने पर प्र. उपयंत्री वैभव शिवरे एवं ड्रेनेज सुपरवाइजर गगन मालवीय को कार्य / हाजरी से मुक्त करते हुए इनके पारिश्रमिक भुगतान पर तत्काल रोक लगाई गई। विदित हो कि जोन क्रमांक 17 वार्ड क्रमांक 18 के अंतर्गत कुशवाह नगर (भगत सिंह नगर) मेनरोड पर ड्रेनेज लाइन के चेम्बर में नागरिक के गिरने की घटना संज्ञान में आने पर संबंधित जोन से जानकारी प्राप्त की गई।

लापरवाही से हुई घटना–प्रारंभिक रूप से प्राप्त जानकारी अनुसार ड्रेनेज चेम्बर की सफाई की शिकायत के निराकरण हेतु जोन स्तर से चेम्बर खोला जाकर सफाई कार्य कराने के दौरान पर्याप्त बेरिकेटिंग नहीं किये जाने के कारण उक्त घटना घटित हुई थी। उक्त घटना घटित होने पर वार्ड में कार्यरत प्र. उपयंत्री वैभव शिवरे एवं ड्रेनेज सुपरवाइजर गगन मालवीय द्वारा कार्य के प्रति लापरवाही बरतने, दिए गए निर्देशों का पालन नहीं करने, आवंटित दायित्व का समुचित तरीके से निर्वहन नहीं करते हुए कार्य के प्रति उदासीनता बरतने पर प्रभारी उपयंत्री वैभव शिवरे एवं ड्रेनेज सुपर वाइजर गगन मालवीय को तत्काल प्रभाव से कार्य/हाजिरी से मुक्त करते हुए इनके पारिश्रमिक भुगतान पर तत्काल रोक लगाई गई।

गौतमपुरा में अतिक्रमण बना मौत का कारण

आयशर की टक्कर से 50 वर्षीय बुजुर्ग की हुई मौत

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा में आज हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक बार फिर नगर की बदहाल व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही को उजागर कर दिया है। इस हादसे में करीब 50 वर्षीय केसर पिता मांगू की मौके पर ही मौत हो गई। वे अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे, जिनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और घर के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि नगर में फैले अतिक्रमण और अनियंत्रित यातायात का सीधा परिणाम माना जा रहा है। गौतमपुरा के मुख्य बाजार मार्ग पर हालात इतने खराब हैं कि सड़कें अतिक्रमण के कारण संकरी हो चुकी हैं। दोनों ओर फैले अस्थायी कब्जों ने रास्ते को इतना सीमित कर दिया है कि दो वाहन आमने-सामने आने पर हादसे की स्थिति बन जाती है। स्थिति को और गंभीर बनाता है बाजार क्षेत्र में तेज रफ्तार से गुजरने वाले भारी वाहन। आश्चर्य की बात यह है कि इतने व्यस्त बाजार में न तो कहीं पुलिस बैरिकेटिंग की व्यवस्था है और न ही गति अवरोधक स्पीड ब्रेकर लगाए गए हैं, जिससे वाहन चालकों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं रहता।

घटना के बाद अतिक्रमण और यातायात व्यवस्था को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं, लेकिन यह मुद्दा हर बार की तरह राजनीतिक बहस में उलझता नजर आ रहा है। नगर में पहले भी अतिक्रमण हटाने के प्रयास किए गए लेकिन वे केवल कुछ दिनों की कार्यवाही बनकर रह गए और फिर सब कुछ पहले जैसा हो गया।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई अधिकतर औपचारिकता तक सीमित रहती है। जब तक बिना किसी राजनीतिक दबाव के लगातार और सख्त कदम नहीं उठाए जाएंगे, तब तक हालात सुधरना मुश्किल है सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर कब तक लापरवाही की कीमत आम नागरिक अपनी जान देकर चुकाते रहेंगे? यह हादसा केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था के लिए चेतावनी है। यदि अब भी जिम्मेदार लोग नहीं जागे, तो आने वाले समय में ऐसे हादसे फिर किसी और परिवार की खुशियां छीन सकते हैं।

गौतमपुरा नगर परिषद की सीएमओ मयूरी वर्मा एक बार फिर नगर के लिए नाकाम साबित हुई अतिक्रमण के लिए इन्होंने सड़क पर उतर कर खूब सुर्खियां बटोरी लेकिन जमीनी हकीकत पर देखा गया तो केवल इनकी कार्यप्रणाली हवा में रही अब देखना होगा सीएमओ नगर में हुए अतिक्रमण के लिए क्या ठोस कदम उठाती है।

भागवत कथा एकमात्र मोक्ष का मार्ग है - डा मनोज मोहन शास्त्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्रीमद्भागवत का शुरम्भ हुआ आज दोपहर में खजराना गणेश मंदिर परिसर के दौलत राम छावछरिया में श्रीमद्भागवत का शुभारम्भ हुआ। कथा के पूर्व कलश यात्रा मंदिर परिसर निकली । शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी लोग शामिल हुए। व्यास पीठ का पूजन यजमान नंदकिशोर पीपलावा, पुष्पा पीपलावा, कृष्ण मुरारी शर्मा, विजय पांडेय, बजरंग पीपलावा, श्याम सुंदर पीपलावा, दामोदर पीपलावा, आशीष पीपलावा, पवन पीपलावा, दीवाकर बिरथरे एवं मधु पीपलावा ने किया। डॉ मनोज मोहन शास्त्री ने श्रीमद् भागवत कथा का वृतांत सुनाते हुए कहा- शुकदेव में महान ऋषि, वेदव्यास के पुत्र और परम ज्ञानी थे, जो 12 वर्षों तक गर्भ में रहने के बाद पैदा हुए। वे जन्म से ही संसार से विरक्त (संन्यासी) थे और उन्होंने ही राजा परीक्षित को 'श्रीमद्भागवत पुराण' सुनाई शुकदेव ने अपने पिता व्यास से महाभारत का अध्ययन किया और उसे देवताओं को सुनाया था। शुकदेव अयोनिज (बिना गर्भ के जन्म) माने जाते हैं, जो 12 वर्ष तक माता वाटिका के गर्भ में रहे और श्री कृष्ण के आश्वासन पर ही बाहर आए। जन्म लेते ही वे पूर्ण ज्ञानी थे और तपस्या के लिए वन की ओर चले गए। उन्होंने ही महाभारत का ज्ञान देवताओं को दिया और परीक्षित को श्रीमद्भागवत कथा सुनाकर उन्हें मोक्ष दिलाया।

माँ, बेटी और दामाद पर हमला, बजरंगियों घेरा थाना आरोपियों पर केस दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर के रावजी बाजार थाना क्षेत्र में आने वाले जबरन कॉलोनी में महिला, उसकी बेटी और दामाद के साथ मारपीट, जातिसूचक गालियां और जान से मारने की धमकी देने के मामले में आखिरकार पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। शिकायत के बाद पुलिस ने सरफराज और उसके साले आबिल के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण कायम कर जांच तेज कर दी है।

फरियादी रानू सेन पति अनोखी सेन (40), निवासी 70 जबरन कॉलोनी, अपनी बेटी जानवी के साथ थाने पहुंचीं और पुलिस को बताया कि 7 अप्रैल की शाम मोहल्ले में रहने वाला सरफराज अपने साले आबिल के साथ उनके घर पहुंचा। कुत्ते को खाना खिलाने की बात पर शुरू हुआ विवाद अचानक हिंसक हो गया। आरोप है कि दोनों ने पहले अश्लील गाली-गलौज की, फिर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए डंडे से हमला कर दिया। पीड़िता के अनुसार जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें और उनकी बेटी जानवी को बेरहमी से पीटा। जानवी के पेट पर पैर मारने से वह दर्द से कराह उठी। बीच-बचाव करने पहुंचे जमाई अक्षय को भी नहीं छोड़ा गया और उसके साथ भी मारपीट की गई। जाते-जाते आरोपी खुलेआम जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

घटना जानकारी लगते बड़ी संख्या बजरंग दल कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गया–मामले की गंभीरता देखते हुए पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज कर ली। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला की शिकायत, मेडिकल रिपोर्ट और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर प्रकरण कायम किया गया है। आरोपियों की तलाश के लिए टीम लगाई गई है और जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। थाना प्रभारी ने साफ कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

बजरंग दल जिला संयोजक विजय कलखोर ने कहा कि आरोपियों की हरकत समाज में भय का माहौल बनाने वाली है। उन्होंने पुलिस की एफआईआर कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि अब गिरफ्तारी भी तुरंत होनी चाहिए ताकि क्षेत्र में गलत संदेश न जाए।

मौसमी कारणों से बिजली बंद हो तो कम समय में आपूर्ति सामान्य की जाए

गर्मी में मैंटेनेंस अलसुबह गुणवत्ता से किया जाए- सिंह

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने मंगलवार शाम पोलोग्राउंड सभागार में विभागाध्यक्षों की मिटिंग ली। उन्होंने स्पष्ट कहा हैं कि ट्रिपिंग में कमी आनी चाहिए, गर्मी मे मैंटेनेंस अलसुबह दो से ढाई घंटे के बीच कर लिया जाए। यह कार्य अत्यंत गुणवत्ता वाला होना चाहिए, इसका वरिष्ठ अधिकारी पर्यवेक्षण भी करेंगे ताकि कार्य के अपेक्षित परिणाम आगामी समय में स्पष्ट दिखाई दे। सिंह ने कहा कि मौसम में बदलाव संभव हैं, ऐसे में यदि मौसमी कारण आंधी, तूफानी हवा, ओलावृष्टि, तेज वर्षा इत्यादि कारणों से यदि बिजली आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो तो टीम भावना के साथ कार्य कर कम समय में आपूर्ति सामान्य की जाए। संबंधित क्षेत्र में उपभोक्ताओं को कार्य में लगने वाले अनुमानित समय का संदेश भी एसएमएस, वाट्सएप ग्रुप, ऊर्जस के माध्यम से दिया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को परेशानी कम से कम हो। सिंह ने इंदौर शहर के औद्योगिक क्षेत्र, व्यापारिक क्षेत्र समेत अन्य फीडरों की सघन मानिटिरिंग करने सभी जरूरी कार्य कर पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। शहर के डिविजनों के लिए जिन पांच अधिकारियों को दायित्व सौपा गया हैं, उन्हें नियमित भ्रमण कर डाटा संकलित करने को कहा गया। प्रबंध निदेशक सिंह ने कहा कि उपभोक्ता संतुष्टि की दिशा में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्य व उपमुख्य परिक्षकों तथा मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों के पारिश्रमिक बिल बनाने का कार्य संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी बोर्ड परीक्षा के अंतिम चरण में मूल्यांकित कॉपियों के पारिश्रमिक बिल अंततः मंगलवार को जमा किए गए। उप मुख्य परीक्षक एवं शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार के मुताबिक कक्षा 12 वीं व 10 वीं के अंतिम चरण के मूल्यांकन बिल मुख्य परीक्षक प्राचार्य एस एन कोगे एवं वरिष्ठ व्याख्याता प्रभाकर शुक्ला के निर्देशन में उप मुख्य परिक्षकों (डिप्टी) की टीम ने उनके सहित समस्त मूल्यांकन कर्ता शिक्षकों के बिल बनाकर जमा किए। श्री परमार ने जिला मूल्यांकन अधिकारी बोर्ड समन्वयक संस्था शासकीय मालव कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोती तबेला की प्राचार्य श्रीमती बबीता हयारण से अनुरोध किया है कि इस वर्ष बिलों का भुगतान जल्द करवाया जाए। इस अवसर पर भारती शर्मा, अंजना चौहान,दामोदर वर्मा, सुरेश जाटव, सुरेश उजले,जगदीश जोशी धरमपुरी,संजय चौहान,मनाली सिंह, पूर्णिमा अवस्थी, रानू चौहान, विनीता खाबिया, जसबीर सलूजा, विजय लक्ष्मी पांडेय, सीता मोरे,आशाराम कर्मा, सितोले सर,अकरम खान सहित मूल्यांकन टीम से वीर मिश्रा व दमन सिंह पाल आदि उपस्थित थे।

किसानों के साथ 'क्रूर विश्वासघात' के खिलाफ कल प्रदेशव्यापी आंदोलन

कांग्रेस करेगी सभी जिला मुख्यालयों पर कलेक्टर कार्यालयों का घेराव-वर्मा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान पर आगामी 9 अप्रैल को प्रदेश के सभी जिलों में कांग्रेस कार्यकर्ता किसानों की बदहाली और सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में कलेक्टर कार्यालयों का घेराव करेंगे। प्रदेश कांग्रेस ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर किसानों को बिचौलियों के हवाले करने का गंभीर आरोप लगाया है।

प्रेस वार्ता के मुख्य बिंदु:-1. 2700 का वादा और 40 का मज़ाक: विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने 2700 प्रति क्विंटल गेहूं खरीदने का लोकलुभावन वादा किया था, लेकिन सत्ता में आते ही सरकार ने मात्र 40 का बोनस देकर किसानों के साथ 'ऊंट के मुंह में जीरा' वाला व्यवहार किया है। पड़ोसी राज्य राजस्थान में 150 बोनस दिया जा रहा है, जबकि मध्यप्रदेश का किसान अपने हक के लिए भटक रहा है।

2. खरीदी में जानबूझकर देरी – बिचौलियों को लाभ पहुँचाने की साजिश: सरकार ने खरीदी की तारीखों को तीन बार आगे बढ़ाया है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम में 10 अप्रैल और अन्य संभागों में 15 अप्रैल से खरीदी का निर्णय केवल इसलिए लिया गया है ताकि किसान घबराकर अपनी फसल कम दामों में व्यापारियों को बेच दे। केंद्र ने 160 लाख टन पंजीकरण के मुकाबले केवल 78 लाख टन खरीदी की सीमा तय कर किसानों की कमर तोड़ दी है।

3. 'बारदाने' की कमी का हास्यास्पद बहाना: सरकार जूट बैग (बारदाने) की कमी के लिए ईरान-इजरायल युद्ध का बहाना बना रही है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा जूट उत्पादक है। संकट युद्ध से नहीं, बल्कि सरकार की अकर्मण्यता से है; 10 करोड़ बारदानों की जरूरत थी, लेकिन सरकार ने समय पर केवल 2.60 करोड़ के लिए आवेदन किया।

4. ओलावृष्टि से तबाही और मुआवजे का अभाव: 1 अप्रैल को हुई भीषण ओलावृष्टि से सीहोर, विदिशा सहित 17 जिलों में फसलें बर्बाद हो गईं। मंडियों में हजारों क्विंटल गेहूं खुले में भीग गया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर ग्यारह सेवाभावी चिकित्सक सम्मानित हुए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कर्मवीर स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट एवं अनंत सेवा न्यास द्वारा आयोजित कार्यक्रम शासकीय जिला आयुष विभाग जिला अस्पताल परिसर में 7 अप्रैल विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मरीजों की सेवा में कई वर्षों सेवा दे रहे हैं डॉ जिग्नेश भट्ट, डॉ शीतल कुमार सोलंकी, डा बख्तियार अशरफी, डॉ कम्मोद गंभीर , डॉ जी.एल आभार, डॉ संतोष वर्मा, डॉ आशुतोष मेहता, डॉ जयदीप जामदार, डॉ मंयक सोनी, डॉ विभुति पाठक, डॉ ओमवेश नानादावर।

ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाश मानावत एवं संस्था अध्यक्ष अनंत महंत ने बताया की ग्यारह सेवाभावी चिकित्सकों को शाल श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मानवता के लिए समर्पित डॉक्टरों भूमिका विषयक संगोष्ठी का आयोजन भी हुआ। इस अवसर पर उत्तम स्वास्थ्य पर आधारित जनजागरूकता प्रदर्शनी लगाई गई । कार्यक्रम डॉ.शरद पंडित पूर्व संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, पूर्व राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त पं.योगेन्द्र महंत, डा. बिंदु कुमार जैन पूर्व जिला आयुष अधिकारी के आतिथ्य में संपन्न हुआ।

अतिथियो का स्वागत ट्रस्ट के सचिव आशिष शिंदे, विष्णु चौधरी, मोनिक मालवीय, मोहित पारीख इरफान अली ने किया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन एहसान अली ने किया। से.नि. वरिष्ठ शिक्षक सुनील चौधरी ने आभार प्रदर्शन किया।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

इंदौर, बुधवार 08 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

बहुमंजिला व वाणिज्यिक बड़े भवनों की छतों पर भी लगने लगे सौर ऊर्जा के बड़े संयंत्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर में सौर ऊर्जा के प्रति अब तक एक, दो और तीन मंजिला भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के क्रम में अब एक बड़ा नाम भी जुड़ गया है। पलासिया चौराहा स्थित बहुमंजिला भवन अपोलो टावर की छत पर भी 40 किलोवाट का सोलर प्लांट लगाया जा रहा है जिससे हर महीने 5 हजार यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से इस टावर के बिजली उपभोक्ताओं को सालाना पांच लाख रुपए से अधिक की सीधी बचत हो सकेगी। शहर के अन्य बहुमंजिला भवनों की छतों पर भी अब सोलर प्लांट लगाने की होड़ लग रही है। ग्रीष्मकाल में अत्यधिक बिजली उत्पादन की सम्भावना के मद्देनजर अब शहर के अनेक बहुमंजिला और वाणिज्यिक भवन के रहवासी भी सोलर प्लांट लगाने की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

जायंट्स ग्रुप ऑफ़ मालवा के निर्वाचन में एमजी पारीख अध्यक्ष एवं डॉ. प्रवीण शर्मा सचिव बने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •जायंट्स ग्रुप ऑफ़ मालवा इंदौर के चुनाव में समाजसेवी एम जी पारीख अध्यक्ष एवं डॉ. प्रवीण शर्मा मानद सचिव निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी जायंट्स की सेंट्रल कमेटी के सदस्य एन सी एफ श्याम गोयल की देखरेख में हुए चुनाव में उपाध्यक्ष प्रथम पद के लिए अनिल खंडेलवाल तथा उपाध्यक्ष द्वितीय पद पर महेश गिरी और कोषाध्यक्ष पद के लिए सुरेश जैन सर्वानुमति से चुने गए। चुनाव अधिकारी ने बताया कि कार्यकारिणी में एन एल जैन, श्रीमती शकुन गोयल, कामिनी पांडे, उमा व्यास का मनोनयन किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और संचालक मंडल सदस्यों को डॉ. वीपी सिंहल, डॉ. के एम शर्मा, विष्णु बिंदल, ओम बंसल आदि ने बधाइयाँ देते हुए शुभकामनाएँ व्यक्त की हैं।

गौसेवा भारती ने 20 वर्षो पुरानी परम्परा के अनुरूप 9 गौभक्तों को दिया दादाभाई स्मृति सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पिछले 20 वर्षो से जारी गौसेवा एवं गौरक्षा कर रहे गौ भक्तों के सम्मान की परम्परा को आगे बढाते हुए गौसेवा भारती द्वारा इस वर्ष चयनित 9 गौ भक्तों को दादाभाई स्मृति सम्मान से सदगुरु डॉ. अण्णा महाराज, विहिप के पूर्व केन्द्रीय उपाध्यक्ष हुकुमचंद सावला एवं विश्व ब्राह्मण समाज संघ के अध्यक्ष पं. योगेन्द्र महंत की अध्यक्षता में आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह में अलंकृत किया गया। समारोह में प्रतिवर्षानुसार नवनियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई। 27 अप्रैल को देशव्यापी गौ सम्मान आह्वान आन्दोलन इंदौर में भी चलाया जाएगा।

भोपाल-इंदौर में 2-5, उज्जैन में 47% बढ़ी टैक्स वसूली

महाकाल विस्तार के बाद उज्जैन की आय बढ़ी

भोपाल (एजेंसी) • प्रदेश के नगरीय निकायों की टैक्स वसूली में इस बार 11.04% की बढ़ोतरी दर्ज हुई, लेकिन राजधानी भोपाल और इंदौर की रफ्तार सबसे धीमी रही। 31 मार्च को खत्म हुए वित्तीय वर्ष में भोपाल में महज 2.17% और इंदौर में 5.18% की ही वृद्धि दर्ज हुई। उधर, उलट उज्जैन में कुल वसूली 47% से अधिक बढ़ी। यहां संपत्ति, जलकर और बिल्डिंग परमिशन में मामूली बढ़ोतरी रही, लेकिन पार्किंग, ट्रेड लाइसेंस और कॉलोनी विकास शुल्क जैसे अन्य मदों में करीब 500% तक उछाल आया।

मुरैना और बुरहानपुर जैसे छोटे शहरों ने भी प्रॉपर्टी व अन्य करों में 50% से अधिक वृद्धि दर्ज कर बेहतर प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर प्रदेश के नगर निगमों ने 2501.26 करोड़ रुपए टैक्स वसूला, जो पिछले साल के 2252.16 करोड़ रुपए से अधिक है।

बीते साल के 47 करोड़ संपत्ति शुल्क के मुकाबले उज्जैन में इस बार सम्पत्तियों से 55 करोड़ टैक्स मिला है, वहीं जल कर 6.70 करोड़ से घटकर 3 करोड़ हो गया तो बिल्डिंग परमिशन से आय 12 करोड़ से घटकर 3 करोड़ रह गई है। अन्य कर 10 करोड़ से बढ़कर लगभग 60 करोड़ तक पहुंच चुका है। इस श्रेणी में पार्किंग फी, ट्रेड लाइसेंस, फायर लाइसेंस, सीवरेज टैक्स, कचरा कलेक्शन टैक्स और विज्ञापन शुल्क आदि शामिल हैं। महाकाल विस्तार के बाद शहर में बढ़ी आर्थिक गतिविधियों के चलते इनमें उछाल आया।

जनसुनवाई में मिली राहत

पढ़ाई, इलाज और आजीविका के लिए तत्काल मदद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टरशिवम वर्मा की विशेष उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार आयोजित इस जनसुनवाई में करीब 305 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें कई प्रकरणों पर मौके पर ही त्वरित कार्रवाई करते हुए जरूरतमंदों को राहत प्रदान की गई। जनसुनवाई के दौरान किसी को शिक्षा के लिए सहायता मिली तो किसी को इलाज हेतु आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया गया। कई हितग्राही अपने कार्य पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करने भी पहुंचे।

कलेक्टर वर्मा ने बताया कि जिन प्रकरणों में तत्काल सहायता संभव थी, उनमें तुरंत कार्रवाई की गई, जबकि राजस्व, पुलिस एवं अन्य विभागों से जुड़े मामलों को निराकरण हेतु समय-सीमा तय कर संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है, ताकि समयसीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में एक दिव्यांग युवक शुभम साहू का मामला सामने आया, जिसकी मोटराइज्ड व्हीलचेयर खंडवा से इंदौर की बस यात्रा के दौरान गुम हो गई थी। तत्काल उसकी आवश्यकता को देखते हुए उसे मोटराइज्ड व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर शिवम वर्मा ने आरटीओ को निर्देश दिए कि घटना के संबंध में संबंधित बस की जांच भी कराई जाए। इसी प्रकार एक वृद्ध महिला श्रीमती सविता शिंगले अपने पोता-पोती के साथ सहायता के लिए पहुंची। वृद्ध महिला ने बताया कि बेटे का निधन हो चुका है और बहू ने पुनर्विवाह कर लिया है। बच्चों की देख-रेख में कर रही हूँ।

अशासकीय/निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर जिले में भू-जल स्तर में गिरावट को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा ने अशासकीय/निजी नलकूप खनन पर आगामी 30 जून तक के लिए प्रतिबंध लगाया है। प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इंदौर के शहरी एवं सम्पूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त क्षेत्र भी घोषित किया गया है। यह प्रतिबंध कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (जलप्रदाय) नगर पालिक निगम इंदौर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर लगाया गया है। प्रतिवेदन में बताया गया कि इन्दौर शहर में भू-जल स्त्रोतों का अतिदोहन होने से पेयजल स्त्रोतों/नलकूपों का जलस्तर तेजी से गिर रहा है। गिरते भू-जल स्तर के कारण संपूर्ण शहर में आगामी ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट की संभावना की दृष्टिगत रखते हुए शहर में पेयजल से भिन्न अन्य प्रयोजन के लिये नवीन निजी नलकूपों के खनन पर प्रतिबंध लगाया जाना आवश्यक है।

जनभागीदारी से सशक्त हो रहा जल संरक्षण, 'जल गंगा संवर्धन अभियान' बना जनआंदोलन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर संभाग में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लगातार जल संवर्धन और जल संरक्षण के कार्य हो रहे है। झाबुआ जिले में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अब एक व्यापक जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। 19 मार्च से प्रारंभ इस अभियान के अंतर्गत जनसहभागिता के साथ जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की जा रही है।अभियान के तहत 85 ग्राम पंचायतों में गाद निकासी कार्य किए जा रहे हैं, जिनमें अब तक 1688 ट्रॉली मिट्टी किसानों द्वारा निकालकर अपने खेतों में उपयोग की जा चुकी है। इससे जहां जल स्त्रोतों की क्षमता बढ़ रही है, वहीं खेतों की उर्वरता में भी वृद्धि हो रही है।

वर्ष 2025 के अपूर्ण कार्यों को भी अभियान में गति प्रदान की गई है। खेत तालाब के 1235 स्वीकृत कार्यों में से 231 कार्य, डगवेल रिचार्ज पिट के 4071 कार्यों में से 1732 कार्य तथा अमृत सरोवर के 14 कार्यों में से 01 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। शेष कार्यों को भी अभियान अवधि में पूर्ण करने की दिशा में तेजी से कार्य जारी है। लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग द्वारा नल-जल योजनाओं के बेहतर संचालन हेतु 24 पंप ऑपरेटरों को प्रशिक्षित किया गया। साथ ही 353 स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों में पेयजल स्त्रोतों की गुणवत्ता की जांच की गई। पाइप लाइनों में 33 लिकेज सुधारते हुए 39 क्षतिग्रस्त नलों को बदला गया। जन अभियान परिषद द्वारा अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 18 संगोष्ठियां आयोजित की गईं, 50 प्रमुख स्थानों पर दीवार लेखन किया गया, 5 स्थानों पर सामूहिक श्रमदान हुआ तथा 29 सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ स्थापित किए गए।

स्कूल शिक्षा विभाग ने भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए 131 विद्यालयों में जल संरक्षण विषयक निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित कर विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाई। साथ ही विद्यालयों में जल टंकियों की साफ-सफाई कराई गई, 15 विद्यालयों में जल गुणवत्ता परीक्षण कराया गया तथा 35 विद्यालयों में सोख्ता पिट निर्माण पूर्ण किया गया।

राजस्व विभाग द्वारा अभियान के अंतर्गत 1352 जल संरचनाओं को राजस्व अभिलेखों में दर्ज कर स्थायित्व प्रदान किया गया है।

भोपाल में खुलेगा फाइनेंशियल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, उज्जैन एयरपोर्ट के लिए 590 करोड़

भोपाल (एजेंसी) • प्रदेश में वित्तीय प्रबंधन को लेकर राज्य सरकार ने फाइनेंशियल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफटीआरआई) खोलने को मंजूरी दे दी है। मोहन यादव कैबिनेट ने आज इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। यह इंस्टीट्यूट प्रदेश में वित्तीय प्रबंधन पर रिसर्च और बजट आकलन समेत अन्य वित्तीय व्यवस्थाओं के लिए काम करेगा। इसका संचालन शुरुआत में प्रशासन अकादमी से किया जाएगा। इसके अलावा एससी वर्ग के छात्रों के लिए दस हजार रुपए प्रतिमाह स्कॉलरशिप भी मंजूर की गई है।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि बैठक में मंदसौर जिले में गांधी सागर बांध से जुड़ी कातन सिंचाई परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना में 3500 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा और 120 गांवों के 1358 परिवारों को इसका लाभ मिलेगा। योजना पर 88.41 करोड़ रुपए का खर्च आएगा।

कैबिनेट ने चना और मसूर की खरीदी को भी मंजूरी दी है। चने का भाव 5000 रुपए और मसूर का 5800 रुपए क्विंटल है। सरकार चने के कुल उत्पादन का 25 प्रतिशत खरीदी करेगी और मसूर का 100 फीसदी खरीदी करने का फैसला किया गया है। इसके लिए 3174 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। प्रदेश में गेहूं खरीदी 9 अप्रैल से शुरू होगी और पहले छोटे किसानों को खरीदी के लिए बुलाया जाएगा।

उज्जैन में एयरपोर्ट के लिए 590 करोड़ रुपए मंजूर - उज्जैन में सिंहस्थ को देखते हुए एयरपोर्ट विकसित करने राज्य सरकार ने 590 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। यह राशि एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण पर खर्च की जाएगी। केंद्र सरकार की

उड़ान योजना के अंतर्गत यह एयरपोर्ट बनेगा और इसका काम केंद्र सरकार पूरा कराएगी। इसके बनने से सिंहस्थ के दौरान लोगों को आवागमन में सुविधा होगी।

योजनाओं को चालू रखने का फैसला वाणिज्यिक कर विभाग की 8 योजनाओं को निरंतर जारी रखने को मंजूरी गई है। 2952 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इसी तरह वन विभाग की वन क्षेत्र योजनाओं के लिए 5215 करोड़ और स्कूल शिक्षा विभाग की अलग -अलग योजनाओं को निरंतर चालू रखने के लिए 4672 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है।

अंबेडकर जयंती पर कल से प्रदेश भर में कार्यक्रम- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैबिनेट बैठक से पूर्व अपने संबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अंबेडकर की जयंती के कार्यक्रम 8 अप्रैल से आरंभ होकर 14 अप्रैल तक चलेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम भिंड जिला मुख्यालय पर होगा। जिला मुख्यालयों सहित सभी विकास खंडों में भी अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अग्रवाल परिचय सम्मेलन में दिन-रात जुटे रहे कार्यकर्ताओं और मातृशक्ति का सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • समाजसेवी स्व. मिश्रीलाल गोयल की स्मृति में श्री अग्रवाल महासभा द्वारा पिछले दिनों गांधी हाल पर आयोजित तीन दिवसीय निशुल्क अ.भा. युवक युवती परिचय सम्मेलन में सहयोग देने वाले बंधुओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें महासभा के समन्वयक संतोष गोयल ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के सहयोग और भागीदारी से ही ऐसे बड़े और समाजहित के आयोजन सार्थक बन पाते हैं। सम्मान से नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। अगला सम्मेलन मार्च 2027 में और अधिक व्यापक स्वरुप में आयोजित होगा।

महासभा के अध्यक्ष डॉ. सतीश गोयल, महिला समिति की प्रमुख श्रीमती उर्मिला गोयल एवं पुष्पा गुप्ता ने बताया कि तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन के दौरान विनोद अग्रवाल (जावरा), पिंकी रवि अग्रवाल, शर्मिला गोयल, राखी मित्तल, आरती अग्रवाल, उमा बंसल, नीना बद्रुका, चंचल अग्रवाल, रश्मि नरेडी, स्वाति गोयल, पिंकी नरेश अग्रवाल, लवीशा अग्रवाल, आभा अग्रवाल, ममता गर्ग एवं प्रियंका गर्ग सहित अनेक मातृशक्ति ने दिनरात परिश्रम कर अपना योगदान दिया। अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष गोविन्द सिंघल ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर सभी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया, वहीं शैलेन्द्र मित्तल, कमलेश गोयल (पचोर) एवं इंदु गोयल (कन्नोद) ने भी पूरी व्यवस्थाएं संभाली।

नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन के चिकित्सकों ने वरिष्ठ नागरिकों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में वरिष्ठजनों के लिए आयोजन आयुष विभाग के सहयोग एवं आयुष राजपत्रित चिकित्साधिकारी संघ के साथ किया गया। शिविर में नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन शाखा इंदौर के चिकित्सकों ने वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क औषधियों का वितरण किया गया। संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. मीना भायल एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल की थीम 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट, विज्ञान के साथ खड़े रहें' है। यह थीम लोगों, जानवरों, पौधों और ग्रह के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए वैज्ञानिक सहयोग और सबूत-आधारित निर्णयों पर ध्यान केंद्रित करती है।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि राजशांति आशियाना वृद्धाश्रम एयरपोर्ट रोड इन्दौर के 43 महिला-पुरुष वरिष्ठजनों को दिनचर्या, ऋतुचर्या, पौष्टिक आहार-विहार, रक्तचाप, मधुमेह, रक्ताल्पता आदि बीमारियों के कारणों पर चर्चा कर जागरूक किया गया। साथ ही बैठे-बैठे योग प्राणायाम करने का प्रशिक्षण, औषधीय गुण वाले पौधे जैसे- तुलसी, एलोवेरा, अजवायन आदि के औषधीय गुणों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही वृद्धजनों को विभिन्न खेलों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना एवं पर्याप्त रात्रि निद्रा अच्छी तरह से लेने पर भी चर्चा की गई। नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन इंदौर जिला शाखा अध्यक्ष डॉ. सुरेश ढोलवे, सचिव डॉ. नागेंद्र प्रसाद जायसवाल, डॉ. एस.डी. जाधव, डॉ. पी.के. जैन, डॉ. प्रकाशनी जोशी, डॉ. ज्योति बड़ोले ने स्वास्थ्य परीक्षण कर परामर्श प्रदान किया।

अग्रवाल परिषद की वार्षिक साधारण सभा एवं संचालक मंडल के चुनाव 18 अप्रैल को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अग्रवाल समाज की अग्रणी संस्था अग्रवाल परिषद की वार्षिक साधारण सभा एवं संचालक मंडल के वर्ष 2026-27 के चुनाव 18 अप्रैल को एमजी रोड स्थित टीआई मॉल के पास एक रेस्टोरेंट पर होंगे। परिषद के अध्यक्ष मनीष खजांची, सचिव राजेश नागोरी एवं राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि चुनाव अधिकारी गोपाल बंसल मनोनीत किए गए हैं। इस मौके पर परिषद के गत वर्ष के आय-व्यय पत्रक के प्रस्तुतीकरण, ऑडिटर के मनोनयन एवं चुनाव प्रक्रिया सहित विभिन्न विषयों पर निर्णय लिए जाएँगे।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

देशभर में बम धमकियों का सिलसिला, सुरक्षा एजेंसियों के लिए नई चुनौती

सरकार और प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा, क्योंकि यह केवल दहशत फैलाने का मामला नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा और तकनीकी क्षमता का भी सवाल है। देश भर में शिक्षा संस्थानों, अस्पतालों, सरकारी भवनों और अन्य सार्वजनिक स्थलों को बम से निशाना बनाने की झूठी धमकियों का बढ़ता सिलसिला सुरक्षा की लिहाज से चुनौती बन गया है। ई-मेल या फिर सोशल मीडिया के जरिए इस तरह की धमकियां दी जाती हैं, जिससे न केवल लोगों में दहशत फैलती है, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों का कीमती समय और संसाधन भी बर्बाद होते हैं। बीते सोमवार को चंडीगढ़ के कई स्कूलों और सरकारी इमारतों को बम से उड़ाने की धमकियां ई-मेल पर दी गईं, हालांकि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। संभवत: धमकी देने वालों का मकसद महज दहशत फैलाना ही रहा होगा। मगर सवाल है कि आखिर इस तरह की घटनाओं पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? क्या सुरक्षा एजेंसियां धमकी देने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने में तकनीकी रूप से सक्षम नहीं हैं? ये प्रश्न इसलिए महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं, क्योंकि इस तरह के ज्यादातर मामलों में पुलिस या अन्य जांच एजेंसियां अपराधियों तक पहुंच ही नहीं पाती हैं। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में बम की झूठी धमकियां देने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। मई, 2024 में दिल्ली-एनसीआर में एक ही दिन में करीब ढाई सौ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी से पुलिस के हाथ-पांव फूल गए थे। हालांकि, इस तरह की तमाम धमकियां झूठी साबित हुईं, लेकिन इससे जहां दहशत का माहौल पैदा हो जाता है, वहीं जांच एजेंसियों के सामने कई चुनौतियां पैदा हो जाती हैं। ऐसे मामलों में अब तक की जांच में सामने आया है कि धमकी भरे ज्यादातर ई-मेल वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिए विदेशी आईपी पते से भेजे जाते हैं। मगर आज डिजिटल तकनीक इतनी विकसित हो चुकी है कि इसके जरिए दुनिया के किसी भी कोने में छिपे अपराधी को खोजा या पकड़ा जा सकता है। मगर पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों में अलग से बनाई गई साइबर शाखाओं के विशेषज्ञ क्या डिजिटल तकनीक में इतने पारंगत नहीं हैं कि वे ऐसे अपराधियों का पता लगा सकें? सरकार और प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा, क्योंकि यह केवल दहशत फैलाने का मामला नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा और तकनीकी क्षमता का भी सवाल है।

जंग रुकी, शक नहीं: पाकिस्तान की भूमिका पर क्यों उठ रहे हैं सवाल?

मध्य पूर्व की धधकती धरती पर जब चारों ओर बारूद, धमकियों और विनाश की गूंज फैल रही थी, तभी अचानक शांति की ऐसी खबर सामने आई जिसने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो कुछ घंटे पहले तक ईरान को 'सभ्यता के अंत' की चेतावनी दे रहे थे, अचानक दो सप्ताह के युद्ध विराम के लिए तैयार हो गए। उनकी केवल एक शर्त थी—ईरान तुरंत और सुरक्षित ढंग से होर्मुज स्ट्रेट खोल दे। यही वह समुद्री मार्ग है, जिससे दुनिया के बड़े हिस्से तक तेल पहुंचता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह फैसला पाकिस्तान की चौंकाने वाली कूटनीति की जीत था, या फिर अमेरिका अपनी ही भड़काई आग में फंसकर पीछे हटने पर मजबूर हो गया?

ट्रंप की इस घोषणा ने वैश्विक राजनीति की पूरी बिसात ही पलट दी। दुनिया युद्ध के छठे सप्ताह में पहुंच चुकी थी। तेल की कीमतें लगातार आसमान छू रही थीं, शेयर बाजार दहशत में डूबे थे और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं पर संकट की रेखाएं साफ नजर आने लगी थीं। ऐसे निर्णायक मोड़ पर ट्रंप ने सोशल मीडिया पर खुलासा किया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद उन्होंने ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई को दो सप्ताह के लिए टालने का फैसला किया है। इसके तुरंत बाद ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में बातचीत तय हुई और पूरे क्षेत्र में पहली बार ऐसा लगा कि बारूद के बीच भी शांति की राह निकल सकती है। इस संकट में पाकिस्तान ने खुद को केवल पड़ोसी देश नहीं, बल्कि मुख्य मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश की। शहबाज शरीफ ने ट्रंप से युद्ध टालने की अपील की, जबकि ईरान से होर्मुज स्ट्रेट खोलने को कहा। रातभर आसिम मुनीर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वांस और विशेष दूतों के संपर्क में रहे। दावा है कि ईरान की दस सूत्रीय योजना भी पाकिस्तान के जरिए वॉशिंगटन पहुंची। इस्लामाबाद ने ईरान से पुराने रिश्तों और अमेरिका से सैन्य साझेदारी के बीच संतुलन साधा, लेकिन इसी ने उसकी नीयत पर सवाल खड़े कर दिए। मिस्र और तुर्की को साथ जोड़कर पाकिस्तान ने संकेत दिया कि वह केवल क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं, बल्कि संकट में खुद को अनिवार्य शक्ति साबित करना चाहता है।

पाकिस्तान की यह भूमिका जितनी प्रभावशाली दिखती है, उतनी ही संदेहों से घिरी भी है। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस्लामाबाद ने शांति से अधिक अपनी घटती वैश्विक हैसियत बचाने का मौका देखा। एक तरफ वह अमेरिका का करीबी सुरक्षा साझेदार है, दूसरी तरफ ईरान से उसके धार्मिक, भौगोलिक और राजनीतिक संबंध हैं। ऐसे में दोनों पक्षों को साथ रखने की उसकी कोशिश क्या वास्तव में संतुलन है, या केवल अपना प्रभाव बढ़ाने की चाल? फिलहाल यह रणनीति उसके पक्ष में दिख रही है, लेकिन यही दांव आगे सबसे बड़ा संकट बन सकता है। वार्ता विफल हुई या किसी एक पक्ष ने उसे पक्षपाती माना, तो पाकिस्तान दोनों ओर से अविश्वास और अलगाव का सामना कर सकता है। ट्रंप के कदम पीछे खींचने की असली वजह पाकिस्तान नहीं, अमेरिका की बढ़ती मजबूरी थी। होर्मुज स्ट्रेट बंद होते ही तेल आपूर्ति पर असर पड़ा और अमेरिकी बाजार, महंगाई व ईंधन कीमतों पर दबाव बढ़ गया। चुनावी माहौल में ट्रंप जानते थे कि महंगाई की चोट उन्हें राजनीतिक रूप से भारी पड़ सकती है। इजरायल लगातार ईरान पर कड़ी कार्रवाई चाहता था, लेकिन लंबा युद्ध अमेरिका की छवि भी बिगाड़ रहा था। वह 'विश्व पुलिस' नहीं, बल्कि 'युद्ध को हवा देने वाली शक्ति' नजर आने लगा था। ऐसे में ट्रंप के सामने विकल्प साफ था—या तो युद्ध बढ़ाकर संकट गहराएं, या पीछे हटकर नुकसान सीमित करें। उन्होंने दूसरा रास्ता चुना।

ईरान ने युद्धविराम को दबाव में लिया गया फैसला नहीं, बल्कि शर्तों से जुड़ा समझौता माना। तेहरान ने साफ कर दिया कि उसे कुछ दिनों की राहत नहीं, स्थायी समाधान चाहिए। उसकी मांगों में प्रतिबंधों में ढील, पुनर्निर्माण सहायता और भविष्य में हमले न करने की गारंटी शामिल है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने के संकेत दिए, लेकिन बदले में अमेरिका से स्पष्ट राजनीतिक भरोसा मांगा। इसी वजह से वह शुरुआत में दो सप्ताह के अस्थायी विराम पर तैयार नहीं हुआ। पाकिस्तान बीच में अपनी भूमिका दिखाता रहा, लेकिन निर्णायक दबाव चीन ने बनाया। इससे साफ है कि यह केवल दो देशों का टकराव नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन की लड़ाई है।

इस युद्धविराम का सबसे गहरा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा। होर्मुज स्ट्रेट खुलने की संभावना से तेल बाजार को राहत मिली। भारत जैसे देशों के लिए यह अहम है, क्योंकि उनका अधिकांश तेल इसी रास्ते से आता है। रास्ता बंद रहता, तो पेट्रोल-डीजल और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती थीं। लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। इजरायल सतर्क है, लेबनान और हिजबुल्लाह के बीच तनाव जारी है। ऐसे में क्या इस्लामाबाद की वार्ता सचमुच समाधान दे पाएगी, या केवल संकट को कुछ समय के लिए टाल रही है? अगर दो सप्ताह बाद बातचीत विफल हुई, तो यह टकराव और खतरनाक हो सकता है। यह युद्धविराम शांति नहीं, केवल अस्थायी विराम लगता है।धुआं अभी थमा है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल बाकी है—इस विराम के पीछे असली जीत किसकी है? पाकिस्तान खुद को संकट का समाधानकर्ता बता रहा है, पर क्या उसने सचमुच हालात बदले, या केवल अमेरिका की मजबूरी को अपनी उपलब्धि बना लिया? अमेरिका पहले ही महंगाई, चुनावी दबाव और वैश्विक आलोचना से घिरा था। दूसरी ओर ईरान ने दिखा दिया कि होर्मुज स्ट्रेट बंद कर वह पूरी दुनिया पर दबाव बना सकता है। अब फैसला 10 अप्रैल की वार्ता करेगी। वहीं साफ होगा कि यह शांति की शुरुआत है, या अगली टकराव से पहले का सन्नाटा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद् बड़वानी (मप्र)

करोड़ों की चालान वसूली, फिर भी सस्ती होती ज़िंदगी

इंदौर की सड़कों पर एक खतरनाक विरोधाभास अंगड़ाई ले रहा है। वर्ष 2026 की पहली तिमाही में लगभग 1.2-1.3 लाख चालान और करीब ?4 करोड़ की वसूली यह दिखाने के लिए पर्याप्त है कि नियम तोड़े जा रहे हैं, और लगातार तोड़े जा रहे हैं।

लेकिन असली प्रश्न यह है कि इतने चालानों के बाद भी अनुशासन क्यों नहीं आ रहा। यहां नीयत पर प्रश्न उठता है।

ट्रैफिक व्यवस्था का उद्देश्य सुधार होना चाहिए, न कि केवल राजस्व संग्रह। जब बिना हेलमेट चलना, रेड लाइट कूदना और रॉन्ग साइड ड्राइविंग आम हो जाए, तो स्पष्ट है कि डर तो है, पर जिम्मेदारी का बोध नहीं।

प्रशासन भी पूरी तरह निर्दोष नहीं। शहर के कई हिस्सों में खराब सड़कें, बंद या अव्यवस्थित सिग्नल और असंगत निगरानी व्यवस्था समस्या को बढ़ाती हैं। लेकिन आम वाहन चालकों का यह तर्क कि 'सिस्टम खराब है, इसलिए नियम तोड़ना जायज़ है', सिर्फ आत्मघाती सोच है। सच्चाई यह है कि समस्या कानून से ज्यादा मानसिकता की है। जब नियम पालन 'विकल्प' और उल्लंघन 'चतुराई' बन जाए, तो सड़कें दुर्घटना का मंच बन जाती हैं। समाधान केवल चालान की संख्या या समन शुल्क बढ़ाने में नहीं, बल्कि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, पारदर्शी प्रवर्तन और निरंतर जन-जागरूकता में है।

हेलमेट और सीटबेल्ट चालान से बचने के लिए नहीं, जीवन बचाने के लिए हैं। अगर करोड़ों की वसूली के बाद भी सड़कें सुरक्षित नहीं हैं, तो यह प्रशासन से अधिक हमारी सामूहिक चेतना की विफलता है।

इंदौर को तय करना होगा, कि वह चालान से चलेगा या जिम्मेदारी से।

राजकुमार जैन, यातायात प्रबन्धन विशेषज्ञ

आंचलिक

मजदूर यूनियन ने श्रम अधिकारी से की मुलाकात

बढ़ी मजदूरी और एरियर भुगतान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● मजदूरों के हक को लेकर संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। मंगलवार को बुरहानपुर मजदूर यूनियन के पदाधिकारियों ने जिला श्रम अधिकारी से मुलाकात कर श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन और लंबित एरियर के तत्काल भुगतान की मांग उठाई। यूनियन ने साफ चेतावनी दी है कि यदि मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं, तो पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा। यूनियन पदाधिकारियों ने जिला श्रम अधिकारी कन्हैयालाल मोरे के सामने श्रमिकों की समस्याएं रखीं। इस दौरान श्रम अधिकारी ने कहा कि पदाधिकारियों और सदस्यों के बीच कुछ भ्रम की स्थिति थी, जिसे स्पष्ट कर दिया गया है। हालांकि, बैठक से ठोस नतीजा नहीं निकलने पर यूनियन ने नाराजगी जाहिर की। यूनियन अध्यक्ष ठाकुर प्रियांक सिंह ने बताया कि लंबी चर्चा के बावजूद कोई लिखित आश्वासन या निर्णय नहीं मिला। श्रम अधिकारी ने सिर्फ मामला उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही, जिससे श्रमिकों में आक्रोश बढ़ गया है। श्रमायुक्त इंदौर की नई अधिसूचना के अनुसार अकुशल श्रमिक को 12,425 रुपये, अर्द्धकुशल को 13,421 रुपये, कुशल को 15,144 रुपये और उच्चकुशल श्रमिक को 16,769 रुपये प्रतिमाह वेतन (2,850 रुपये वीडीए सहित) देना अनिवार्य है। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर इसका पालन नहीं हो रहा है। यूनियन पिछले 18 महीनों से इस मुद्दे पर संघर्ष कर रही है। इस दौरान हड़ताल, ज्ञापन सौंपना और उच्च न्यायालय में याचिकाएं दाखिल करना जैसे कदम उठाए जा चुके हैं, लेकिन अब तक समाधान नहीं निकल पाया है। यूनियन ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि 1 अप्रैल 2024 से लंबित एरियर और अप्रैल 2026 से लागू नई वेतन दरों का भुगतान तुरंत नहीं किया गया, तो बुरहानपुर में काम बंद हड़ताल के साथ राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। यूनियन की प्रमुख मांगों में टेक्सटाइल कारखाना मालिकों और टेक्सटाइल एसोसिएशन को लिखित आदेश जारी कर नियमों का पालन सुनिश्चित कराना, श्रमिक प्रतिनिधियों और उद्योगपतियों के बीच संयुक्त बैठक आयोजित करना और न्यूनतम वेतन अधिनियम के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई शामिल है। मजदूर यूनियन के प्रतिनिधि रुपेश वर्मा और बंटी अंकारे ने कहा कि चर्चा में किसी निष्कर्ष पर न पहुंचना यह दर्शाता है कि श्रम विभाग अभी भी उद्योगपतियों के पक्ष में झुका हुआ है। वहीं रुपेश वर्मा और जुनैद अली ने सभी श्रमिकों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने की अपील की है।

'उपसरपंच, कोटवार बेच रहे अवैध शराब' महिलाएं कलेक्टर-एसपी दफ्तर पहुंची

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जिला मुख्यालय से महज 15 किलोमीटर दूर स्थित एक गांव में धड़ल्ले से अवैध शराब बिक रही है। शराब बिक्री के विरोध में मंगलवार को करीब 200 लोग कलेक्ट्रेट और एसपी कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने अवैध शराब के ठिकानों पर कार्रवाई की मांग की। तीन ट्रैक्टर भरकर पहुंची महिलाओं ने रोते हुए अधिकारियों को अपनी पीड़ा सुनाई। कहा कि, गांव में 10-12 साल के बच्चे तक शराब पी रहे है। नशे के कारण परिवार के परिवार उजड़ रहे है। मामला छैगांवमाखन थाना क्षेत्र (देशगांव चौकी) के ग्राम दोमाड़ा का हैं। ग्रामीणों का कहना है कि, पुलिस को पूरी जानकारी है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती हैं। गौरतलब है कि, छैगांवमाखन थाने का प्रभार इन दिनों ट्रेनी आईपीएस अमितसिंह के पास है। बावजूद पुलिस एक्शन नहीं ले पा रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि, शराब बेचने वाले कोई और नहीं बल्कि सरकार और सिस्टम के ही नुमाइंदे है। गांव का रोजगार सहायक से लेकर कोटवार और उपसरपंच शराब बेच रहा हैं। ये सभी लोग अलग-अलग ठेकेदारों से जुड़े हुए हैं। दोमाड़ा के ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि, अवैध शराब बेचने वालों में गांव के रोजगार सहायक बिहारी पंवार की मां सरोज पंवार, कोटवार संपत कनाड़े का बेटा आतीश कनाड़े और उपसरपंच चिंताराम पंवार सहित निर्भयसिंह राजपूत शामिल है। इसी से अंदाजा लगा सकते है कि इस अवैध कारोबार में पूरा सिस्टम मिला हुआ है। प्लेन, मसाला और बियर जैसे ब्रांड की सप्लाई सिर्रा, देशगांव और बरूड की लाइसेंसी शराब दुकानों से होती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि, अवैध शराब को लेकर विरोध करने पर उन्हें धमकाया जाता है। रोजगार सहायक बिहारी पंवार कहता है कि हम लोग और हमारा ठेकेदार पुलिस को हफ्ता देता है। तुमको जहां जाना हो, चले जाओ लेकिन कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। रोजगार सहायक धमकी देता है कि ज्यादा विरोध करोंगे तो सरकारी योजना से नाम कटवा दूंगा। राशन पर्ची और पीएम आवास योजना से अपात्र कर दूंगा।

शिवा बाबा मंदिर ट्रस्ट भंग करने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● जिले के ग्राम गंभीरपुरा स्थित शिवा बाबा मंदिर ट्रस्ट को भंग करने की मांग की गई है। मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर समिति सचिव के साथ बुरहानपुर जन सुनवाई में पहुंचे और डिप्टी कलेक्टर पल्लवी पुराणिक को लिखित शिकायत सौंपी। शिकायत में कहा गया है कि शिवा बाबा बंजारा समिति ट्रस्ट गंभीरपुरा पंचायत सुक्ता खुर्द, तहसील धूलकोट में संचालित है। ग्रामीणों का आरोप है कि रूप सिंह पवार पिछले 30 साल से ट्रस्ट के अध्यक्ष बने हुए हैं और उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को ही ट्रस्ट में शामिल कर रखा है, जबकि गांव के लोगों को सदस्य नहीं बनाया गया। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि मंदिर को हर साल लगभग 40 लाख रुपये की आय होती है, लेकिन इसे छिपाया जाता है। उन्होंने पहले भी जांच और ट्रस्ट भंग करने की मांग की थी, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया।शिकायत में बताया गया कि मेले के दौरान 10 दिनों के लिए एक निगरानी समिति बनाई गई थी। इस अवधि में दान पेटियों से 8 लाख 30 हजार 120 रुपये की दान राशि प्राप्त हुई, जिसे सभी के सामने खोला गया। हालांकि, 100 बोरे नारियल की आय का हिसाब नहीं दिया गया। इसी तरह, जीवित बकरों के दान के समय रसीदें काटी जाती हैं, लेकिन उनका हिसाब भी नहीं दिया गया। वहीं, ट्रस्ट अध्यक्ष रूप सिंह पवार ने इन आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों मेले के बाद दान पेटी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के सामने खोली गई थी, जिसमें 8 लाख 30 हजार 120 रुपये और कुछ चिल्लर निकली थी। पवार ने आगे बताया कि जीवित बकरों की रसीद और नारियल का हिसाब भी बाद में बनाकर प्रस्ताव लिया गया था और इसकी जानकारी एसडीएम को भी दी गई थी। उन्होंने कहा कि आरोप पूरी तरह निराधार हैं और कुछ लोग आए दिन बेवजह शिकायतें करते रहते हैं। उनके पास पूरा हिसाब और एक-एक पैसे की रसीद मौजूद है।

धूलकोट में उद्योग के प्रस्ताव का विरोध, 150 किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● धूलकोट क्षेत्र में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र का आदिवासियों ने विरोध किया है। मंगलवार दोपहर 2 बजे 150 से अधिक लोग जिला मुख्यालय पहुंचे और इस कार्रवाई को निरस्त करने की मांग की। उन्होंने 26 फरवरी को धूलकोट की खसरा नंबर 318/2 में से लगभग 200 हेक्टेयर भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई। डिप्टी कलेक्टर लोकेश छापरे ने किसानों की बात सुनने के बाद उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है। किसानों ने एसडीएम के नाम सौंपे गए पत्र में भी इस प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की। पूर्व सरपंच बलिराम सिसोदिया ने बताया कि प्रस्तावित भूमि पर धूलकोट और दगडखेड़ी के 250 से अधिक परिवार खेती कर अपनी आजीविका चलाते हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि भूमि अभिलेखों में रिकॉर्ड गुम या अपूर्ण हैं, जबकि उनके पास पुराने पट्टे और पावती के दस्तावेज मौजूद हैं। रिकॉर्ड सुधारने की लगातार मांग के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि उद्योग स्थापित करने के लिए स्थानीय स्तर पर ग्रामसभा से कोई प्रस्ताव नहीं लिया गया है। वे चाहते हैं कि 'पेसा एक्ट' के तहत यह जमीन आदिवासियों को उपलब्ध कराई जाए, ताकि उनकी आजीविका सुरक्षित रह सके।

कलेक्टर मुआवजा दिलाएंगे, रेलवे ने मना किया: धर्मेंद्र लोधी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● सूरजकुंड क्षेत्र से हटाए अतिक्रमण के मामले में प्रशासन ने लोगों को दिलासा दी हैं कि जिनके पास दस्तावेज और मकान के पट्टे हैं, उन्हें रेलवे से मुआवजा दिलाया जाएगा। यहीं बात जिले के प्रभारी मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने भी दोहरा दी हैं। लेकिन मुआवजे को लेकर रेलवे ने साफ मना कर दिया है। रेलवे ने कहा कि, उक्त जमीन हमारी थी तो मुआवजे का सवाल नहीं उठता हैं। खंडवा जंक्शन रेलवे स्टेशन से लगी सबसे बड़ी बस्ती को रेलवे द्वारा उजाड़ दिया गया हैं। शहर के सूरजकुंड वार्ड के तहत आने वाले इस एरिया में 1500 परिवार निवासरत थे। जिनके मकानों को रेलवे ने तोड़ दिया और हजारों लोगों को बेघर कर दिया।

इन लोगों में गुस्सा पनपा तो कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने आश्वासन दिया कि, जिन लोगों को पट्टे दिए गए हैं, जिनके पास मालिकाना हक संबंधित दस्तावेज हैं, उन परिवारों को रेलवे से मुआवजा दिलाया जाएगा। इसके लिए सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर को जिम्मेदारी तक दी गई।

भुसावल रेल मंडल के डीआरएम पुनित अग्रवाल ने कहा कि, खंडवा में जिस जमीन से रेलवे ने अतिक्रमण हटाया हैं, वह सालों से रेलवे के रिकार्ड में दर्ज हैं और रेलवे की हैं। इस जमीन पर लोगों ने अतिक्रमण करके घर बनाए थे। अब रेलवे को उस जमीन की जरूरत हैं, इसलिए अतिक्रमण हटाया हैं। खंडवा प्रशासन यदि वहां के पट्टेधारियों को रेलवे के जरिए मुआवजा दिलाने की बात कह रहा है तो यह गलत हैं। जब जमीन हमारी हैं तो मुआवजा क्यों देंगे। मुआवजे का प्रावधान जमीन अधिग्रहण के दौरान होता हैं। पट्टे यदि स्थानीय प्रशासन ने दिए हैं तो वहां का लोकल प्रशासन और राज्य सरकार ही लोगों को राहत दे सकती हैं।

आईपीएल : दिल्ली कैपिटल्स और गुजराज टाइटंस में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी) ● इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजराज टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी।

इस बार हालांकि हालात अलग हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना कठिन होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी अच्छे फार्म में हैं। रिजवी ने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसके पास के एल राहुल जैसा शीर्ष स्तर का बल्लेबाज भी है। राहुल हालांकि इस सत्र में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनका लक्ष्य लंबी पारी खेलना रहेगा। तीसरे नंबर पर नीतीश राणा पर भी इस मैच में रन बनाने का दबाव रहेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। दिल्ली के सलमी बल्लेबाजों को पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज से सावधान रहना होगा। दिल्ली कैपिल्स की गेंदबाजी लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव पर निर्भर करेगी। कप्तान अक्ष्रर पटेल भी एक अच्छे स्पिनर हैं और उनका भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा टीम के पास टी नटराजन जैसा तेज गेंदबाज भी है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स इस बार एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे हैं। टीम अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों साई सुदर्शन और शुभमन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम भी अबतक विफल रहा है।

गुजरात की टीम अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी। टीम के पास ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी हैं पर अब तक ये रन नहीं बना पाये हैं। कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछले मैच से बाहर थे पर इस मैच से उनकी वापसी तय है। गुजरात के बल्लेबाजों ही नहीं गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। सिराज और रबाडा दोनो ही अब तक विकेट लेने में तो सफल रहे हैं पर इन्होंने काफी रन दिये हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं है। केवल स्पिन राशिद और युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा अब तक अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं।

सात्विक-चिराग हटे, सिंधु, लक्ष्य संभालेंगे भारतीय चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी) ● दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन, बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में भारत की पदक की उम्मीदों की अगुवाई करेंगे। यह चैंपियनशिप मंगलवार से चीन के निंगबो में शुरू होने वाली है। 2026 की बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप लगातार तीसरी बार है जब यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता निंगबो में आयोजित की जा रही है। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अब तक दो बार एशियाई चैंपियन का खिताब जीता है। दिनेश खन्ना 1965 में पुरुषों के एकल (सिंगल्स) चैंपियन बने थे, जबकि सात्विकसाईराज

रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने 2023 में पुरुषों के युगल (डबल्स) का खिताब जीता था। देश के शटलरों ने इस प्रतियोगिता में कई कांस्य पदक भी जीते हैं। सात्विक-चिराग को इस बार के टूर्नामेंट में खेलना था, लेकिन सात्विक के कंधे में चोट लगने के कारण उन्होंने आखिरी समय पर टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। हरिहरन अमसकारुणन-एमआर अर्जुन और पृथ्वी केआर-साई प्रतीक के, निंगबो में पुरुषों के युगल वर्ग में भारत की ओर से दोहरी चुनौती पेश करेंगे। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु, जो महिलाओं की एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 13वें स्थान पर हैं, महिलाओं के एकल वर्ग में भारत की शीर्ष खिलाड़ी होंगी।

रश्मिका को पहली ही हिंदी फिल्म से मिला हिट करियर

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री हैं रश्मिका मंदाना, जिन्होंने दक्षिण भारत में हिट फिल्म देने के बाद पैन इंडिया सफलता पाने में देर नहीं लगाई। उन्होंने फिल्म किरिक पार्टी से 2016 में फिल्मी दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहली ही फिल्म से रश्मिका बहुत बड़ी स्टार बन गई थीं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अभिनेता रक्षित शेट्टी के साथ काम किया। 4 करोड़ में बनी फिल्म ने 50 करोड़ की मोटी कमाई की और यह फिल्म रश्मिका के करियर की पहली हिट भी बनी। इस फिल्म में न सिर्फ रश्मिका को अच्छा करियर दिया बल्कि उन्हें रक्षित शेट्टी के रूप में अच्छा पार्टनर भी मिला। दोनों की जोड़ी को कन्नड़ सिनेमा में बहुत पसंद किया जाने लगा और फैंस भी दोनों की जोड़ी को असल जोड़ी के रूप में देखने लगे। आलम ये था कि सेट पर रश्मिका और रक्षित के बीच नजदीकियां बढ़ चुकी थीं। दोनों ने फिल्म के सुपरहिट होने के बाद साल 2017 में सगाई की लेकिन दोनों का रिश्ता एक साल बाद ही टूट गया। अलग होने की वजह दोनों में वैचारिक मतभेद था लेकिन यह बात रक्षित के फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आई और उन्होंने अभिनेत्री को ट्रोल करना शुरू कर दिया और कन्नड़ सिनेमा से बैन करने की धमकी भी दी।

24 अप्रैल को दोबारा सिनेमा घरों में रिलीज होगी फिल्म 'देव डी'

मुंबई (एजेंसी) ● 24 अप्रैल को फिल्म 'देव डी' एक बार फिर सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज होगी। इस फिल्म में अभय देओल, माही गिल और कल्कि कोचलिन ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। अपनी अनोखी कहानी, प्रयोगधर्मी शैली और यादगार संगीत के चलते यह फिल्म समय के साथ कल्ट का दर्जा हासिल कर चुकी है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी यह फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के मशहूर उपन्यास 'देवदास' का आधुनिक रूपांतरण है, जिसमें पारंपरिक प्रेम कहानी को आज के भारत की जटिलताओं के साथ जोड़ा गया। अब इसकी दोबारा रिलीज पुराने दर्शकों के लिए नॉस्टैल्जिया का मौका है, वहीं नई पीढ़ी के लिए इसे बड़े पर्दे पर अनुभव करने का अवसर। फिल्म को लेकर अनुराग कश्यप का कहना है कि 'देव

डी' एक विद्रोही सोच से बनी थी। वह क्लासिक 'देवदास' के रोमांटिक मिथक को तोड़कर उसके किरदार की कमजोरियों और जटिलताओं को सामने लाना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस फिल्म का देव कोई आदर्श प्रेमी नहीं, बल्कि एक खामियों से भरा, आवेगी और कई बार नापसंद किया जाने वाला इंसान है, जो अपनी ही गलतियों में उलझा रहता है। फिल्म में पारो और चंदा के किरदारों को भी नई सोच के साथ गढ़ा गया।

उज्जैन संभाग

केंद्रीय जेल में कैदियों के पास मिला मोबाइल, तीन कैदियों ने नाली में छिपा रखा था

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● केंद्रीय भैरवगढ़ जेल के अंदर प्रतिबंधित सामान मिलने से हड़कंप मच गया। तलाशी के दौरान जेल परिसर से मोबाइल फोन, पेन ड्राइव, बीड़ी और 7 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, जेल में सजा काट रहे तीन कैदियों ने मोबाइल फोन को नाले में छिपाकर रखा था। वहीं, 7 हजार रुपए नकद जेल परिसर में स्थित मंदिर के पास से बरामद हुए। जेल अधीक्षक मनोज साहू ने बताया कि कई दिनों से जेल के अंदर मोबाइल उपयोग की सूचना मिल रही थी। इस पर निगरानी बढ़ाई गई। मुखबिर से सूचना मिलने के बाद गोदाम क्षेत्र में तलाशी ली गई, जहां नाली को ढंकने के लिए लगे पटिए के नीचे पॉलिथीन में पैक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

एक साल तक रूक सकती है पैरोल - जांच में सामने आया है कि सजायाफ्ता कैदी कुंदन अन्य कैदियों सुखविंदर और तुषार तक मोबाइल पहुंचाता था। कई बार मोबाइल बैरक तक भी ले जाया गया। जेल अधीक्षक ने बताया कि तीनों कैदियों के खिलाफ जेल मैन्युअल के तहत विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इसमें उनकी एक साल की पैरोल रोकी जा सकती है और उन्हें अन्य जेल में ट्रांसफर भी किया जा सकता है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह ही एक जेल प्रहरी को तंबाकू अंदर ले जाते हुए पकड़ा गया था। इसके बाद जेल प्रशासन अलर्ट पर था। मंगलवार को जेल अधीक्षक मनोज साहू के निर्देश पर सर्चिंग अभियान चलाया गया।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के बीकॉम, बीसीए में पूछे गए प्रश्न पर विवाद, जांच के आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के बीकॉम और बीसीए तृतीय वर्ष के फाउंडेशन पेपर में पूछे गए एक प्रश्न से विवाद खड़ा हो गया है। सोमवार को आयोजित परीक्षा में पूछा गया-'अल्लाह के सिवा दूसरा कोई नहीं है'। इसके साथ चार विकल्प दिए गए थे, जिनमें 1. सोमेश्वर, 2. खुदा, 3. शक्तिवान, 4. दंड देने वाला शामिल थे। इस प्रश्न को लेकर हिंदूवादी संगठनों ने आपत्ति जताते हुए प्रश्न पत्र बनाने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के बीकॉम और बीसीए तृतीय वर्ष के फाउंडेशन कोर्स का पेपर सोमवार को आयोजित हुआ था। पेपर सामने आने के बाद उज्जैन सहित रतलाम में हिंदूवादी संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि पेपर किसने तैयार किया था। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक रितेश माहेश्वरी ने कहा कि जिस प्रोफेसर ने इस तरह का पेपर सेट किया है, उसके खिलाफ विश्वविद्यालय को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए, अन्यथा बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इधर विवाद बढ़ता देख सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव अनिल शर्मा ने जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने बताया कि मामला परीक्षा समिति को भेजा गया है। यह सवाल बीकॉम और बीसीए के फाउंडेशन पेपर में पूछा गया था। फाउंडेशन कोर्स में विभिन्न धर्मों से जुड़े प्रश्न होते हैं, लेकिन इस तरह का प्रश्न अपेक्षित नहीं है। परीक्षा समिति की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सामुदायिक पुलिसिंग का नया मॉडल तैयार, सिंहस्थ महापर्व में 'रक्षा साथी' संभालेंगे सुरक्षा मोर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● पुलिस ने आगामी सिंहस्थ महापर्व और अन्य बड़े धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा के लिए एक नया मॉडल तैयार किया है। मंगलवार को आयोजित सामुदायिक पुलिसिंग क्षमता वर्धन कार्यशाला में इस मॉडल को अंतिम रूप दिया गया, जिसमें आम जनता की सीधी भागीदारी से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया गया है।

इस मॉडल के तहत, सिंहस्थ में 'सिंहस्थ रक्षा साथी' और स्वयंसेवक (वॉलंटियर्स) महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ये स्वयंसेवक पुलिस और प्रशासन के बीच एक सेतु का काम करेंगे, जिससे भीड़ प्रबंधन, सूचनाओं का आदान-प्रदान और आपातकालीन स्थितियों में त्वरित सहायता सुनिश्चित की जा सकेगी।

प्रशासन ने अधिक से अधिक स्वयंसेवकों को जोड़ने के लिए कई सुविधाएं प्रस्तावित की हैं। सेवा देने वाले वॉलंटियर्स को मानदेय, आधिकारिक प्रमाण-पत्र और आयोजन के दौरान ठहरने की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसका उद्देश्य युवाओं और स्थानीय निवासियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए, उज्जैन जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राकेश गुप्ता ने सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजनों में नगर रक्षा समिति के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर पुलिसिंग के लिए जनता के साथ समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के 26 जिलों से नोडल अधिकारी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया। इन अधिकारियों ने सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से अपराध नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और जनभागीदारी बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।

यह मॉडल कई मायनों में खास है क्योंकि यह पहली बार बड़े स्तर पर स्वयंसेवक-आधारित सुरक्षा प्रणाली को लागू करेगा। इसमें नगर रक्षा समिति को सक्रिय भूमिका दी जाएगी, जिससे पुलिस और आम लोगों के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा। यह बड़े आयोजनों में वास्तविक समय (रियल टाइम) सहायता प्रणाली प्रदान करेगा। कार्यशाला के अंत में अधिकारियों ने इस मॉडल को आगामी सिंहस्थ की तैयारियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

महाकाल मार्ग खतरनाक हुआ, दो और मकान गिरने की हालत में

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन में 568 मकानों के हिस्से हटाने वाले रोड चौड़ीकरण प्रोजेक्ट के बीच एक मकान गिरने के बाद भी खतरा टला नहीं है। जिस जगह हादसा हुआ, वहां दो और मकान गिरने की स्थिति में हैं। खास बात यह है कि नगर निगम को पहले से इस खतरे का अंदेशा था, लेकिन समय रहते न तो पानी निकाला गया और न ही इलाके को पूरी तरह खाली कराया गया। बता दें कि सोमवार शाम को महाकाल मंदिर जाने वाले मार्ग पर एक तीन मंजिला मकान गिर गया था। इसका वीडियो भी सामने आया था। इसी वजह से मकानों की नींव कमजोर हो चुकी है। इसके बावजूद सड़क पर आम लोगों की आवाजाही जारी है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय लोग डर के चलते अपने घर छोड़ने को मजबूर हैं। हनुमान क्षेत्र की शीतल मोदी ने बताया कि पास का

मकान गिरने के बाद उन्होंने अपना घर बंद कर होटल में शिफ्ट कर लिया है। उनका कहना है कि उनके घर की नींव भी एक महीने से पानी में डूबी हुई है, ऐसे में कभी भी हादसा हो सकता है।

रहवासी आफताब शेख का कहना है कि उन्होंने नगर निगम को कई बार चेताया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि ऐसा लग रहा है जैसे प्रशासन एक और मकान गिरने का इंतजार कर रहा है। रहवासियों के मुताबिक, लगातार खुदाई के दौरान मकानों की नींव तक मिट्टी हटा दी गई और एक महीने से पानी जमा है, जिससे हालात और खराब हो गए हैं। इसको लेकर कई बार शिकायत भी की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। दरअसल, वीडी क्लॉथ मार्केट से छोटी पुलिया तक करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट में 568 मकानों के हिस्से हटाकर सड़क चौड़ी की जा रही है। करीब 27 करोड़ रुपए की लागत से यह काम सिंहस्थ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किया जा रहा है। नगर निगम के उपायुक्त संतोष टैगोर ने भी माना है कि दो-तीन मकान अभी भी गिरने की स्थिति में हैं। उनका कहना है कि स्थिति का आकलन किया जा रहा है। हालांकि, मौके पर हालात अभी भी जोखिम भरे बने हुए हैं। उज्जैन के गेबी हनुमान क्षेत्र में सोमवार शाम एक तीन मंजिला मकान अचानक गिर गया। घटना का वीडियो सामने आया है। यह मार्ग महाकाल मंदिर जाने वाला प्रमुख रास्ता है। समय रहते रहवासियों ने आवाजाही रोक दी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जिस जगह मकान गिरा, वहां से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोपाल मंदिर, शिप्रा नदी और महाकाल मंदिर की ओर जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

डीएवीवी की जनसुनवाई ग्रेडिंग सिस्टम से बढ़ी उलझन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मंगलवार को डीएवीवी में आयोजित जनसुनवाई में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। लॉ, एमबीए, बीएड सहित विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने परीक्षा, रिजल्ट, रिव्यू और रिवैल्यूएशन से जुड़े मामलों को उठाया। जनसुनवाई में मौजूद अधिकारियों ने छात्रों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया। सबसे ज्यादा संख्या पीजी फर्स्ट सेमेस्टर के छात्रों की रही, जिनका हाल ही में जारी हुआ रिजल्ट पहली बार ग्रेडिंग सिस्टम में घोषित किया गया है। ग्रेडिंग सिस्टम को लेकर छात्रों में काफी भ्रम देखा गया। कई छात्र इसे समझ नहीं पाए और इसी कारण रिव्यू व रिवैल्यूएशन के लिए आवेदन नहीं कर सके। वहीं, एमपी ऑनलाइन का सर्वर डाउन रहने से भी कई छात्र समय पर आवेदन नहीं कर पाए थे। ऐसे छात्रों को राहत देते हुए विवि ने लेट फीस में छूट देकर आवेदन प्रक्रिया पूरी कराई।

टिगरिया बादशाह क्षेत्र में अवैध गोदाम पर छापा, 22 हजार लीटर सॉल्वेंट जब्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला प्रशासन ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए टिगरिया बादशाह क्षेत्र के समीप एक गोदाम पर बड़ी कार्रवाई की। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर एसडीएम सुश्री निधि वर्मा के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने छापा मारकर भारी मात्रा में बिना लाइसेंस के संग्रहित सॉल्वेंट बरामद किया। कार्रवाई के दौरान गोदाम में करीब 22 हजार लीटर डिस्टिल्ड सॉल्वेंट अवैध रूप से रखा पाया गया। इसके अलावा मौके से आयल पेंट मिक्सर और पेंट रिमूवर भी मिले। जांच में सामने आया कि गोदाम संचालक के पास इन ज्वलनशील पदार्थों के भंडारण के लिए आवश्यक वैध लाइसेंस नहीं था। सबसे गंभीर बात यह रही कि गोदाम में किसी प्रकार के फायर सेफ्टी सिस्टम मौजूद नहीं थे। ऐसे में किसी भी दुर्घटना की स्थिति में आसपास के क्षेत्र में बड़ा हादसा हो सकता था और जनहानि की आशंका बनी हुई थी।

पोर्टल ने अटकाई उज्जैन मेले की खुशी महीनेभर में नहीं रजिस्टर्ड हो पाई गाड़ी

धीमा चलने के कारण पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पा रहे दस्तावेज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● उज्जैन मेले में पिछले महीने आयोजित हुए व्यापार मेले में वाहन खरीदने वाले लोगों की खुशी वाहन पोर्टल ने अटका दी है। दरअसल, वाहन पोर्टल की धीमी गति ने वाहन पंजीयन प्रक्रिया को प्रभावित कर दिया है। पोर्टल के धीमे चलने के कारण दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पा रहे, जिससे पंजीयन अटक गया है। बताया जा रहा है कि यहां पर बिके 41 हजार वाहनों में से 20 हजार वाहन इस समस्या के कारण फंसे हुए हैं और उनके मालिक गाड़ी के कागजों के लिए इंतजार कर रहे हैं। स्थिति यह भी है कि दस्तावेजों के अभाव में कई वाहन मालिकों के फास्टैग भी नहीं बन पा रहे, जिससे उन्हें बाहर आने-जाने में दिक्कत हो रही है और दोहरा टोल कर चुकाना पड़ रहा है।

वाहन मेले में गाड़ी खरीदने- वाले पीयूष जैन ने बताया कि मैंने वहां से टाटा की कार खरीदी थी, लेकिन अब तक पंजीयन नहीं हुआ है। केवल वीआईडी होने पर गाड़ी नंबर मिला है। रजिस्ट्रेशन कार्ड नहीं मिल पाया है। इस कारण में फास्टैग नहीं ले पा रहा। अब परेशानी हो रही है। बाहर जाने पर डबल टोल देना पड़ रहा है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि पोर्टल के कारण दिक्कत हो रही है। हमने मुख्यालय बात की है। सभी जगह यह परेशानी हो रही है। हम लगातार काम करके परेशानी को खत्म करने में जुटे हैं।

उल्लेखनीय है कि 15 फरवरी से 29 मार्च तक चले 43 दिन के मेले में कुल 41,538 वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई। हर दिन औसतन 966 वाहन बिके, जो अपने आप में नया रिकॉर्ड है। आरटीओ अधिकारियों के अनुसार, इस मेले में इस बार 32,548 चार पहिया, 6,958 दोपहिया और 2,032 वाणिज्यिक वाहन बिके।

छूट से बिक्री में उछाल मेले की सफलता का सबसे बड़ा- कारण राज्य सरकार द्वारा दी गई 50 प्रतिशत की लाइफटाइम रोड टैक्स छूट रही। इसका लाभ लेने के लिए इंदौर सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग उज्जैन पहुंचे। लग्जरी कारों की बिक्री में भी उछाल देखा गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार मेले से करीब 225 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ और कुल कारोबार 6000 करोड़ रुपए से अधिक रहा। हालांकि, इतनी बड़ी उपलब्धि के बीच पोर्टल की तकनीकी खामियों ने व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इंदौर नगर निगम बजट पर आज बहस, विपक्ष घेरने को तैयार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कल इंदौर नगर निगम ने 8455 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। हालांकि बजट पेश होने से पहले श्रद्धांजलि के दौरान ही सदन में जमकर हंगामा देखने को मिला। अब बुधवार को बजट पर चर्चा और बहस होनी है, जिसमें एक बार फिर जोरदार टकराव की संभावना जताई जा रही है। बजट में मास्टर प्लान की सड़कों को तय समय में पूरा करने, नई सड़कों के निर्माण और अधूरी परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने पर जोर दिया गया है। वहीं पानी से जुड़े प्रोजेक्ट्स को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें नर्मदा परियोजना का चौथा चरण, नई पाइपलाइन बिछाना, पुरानी पाइपलाइन बदलना और हर वार्ड में पानी टेस्टिंग लैब स्थापित करने का लक्ष्य शामिल है।

अमृत-2 और अन्य योजनाओं के तहत 1500 करोड़ रुपए से अधिक के काम किए जाएंगे। इनमें पानी की टंकियां, सीवरेज सिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रमुख हैं। 'कोई नया टैक्स नहीं, फोकस अधूरे काम पूरे करने पर ' महापौर ने बताया कि बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है और न ही किसी टैक्स में वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि परिषद का कार्यकाल सीमित बचा है, इसलिए पुराने और अधूरे कामों को समय पर पूरा करना प्राथमिकता है। राजस्व बढ़ाने के लिए पुराने मार्केट्स को पुनर्विकसित करने, एडवर्टाइजमेंट राइट्स में नई गैन्ट्री लगाने और पार्किंग स्थलों को ठेके पर देने का प्रावधान किया गया है। भागीरथपुरा क्षेत्र में ड्रेनेज और पानी की नई लाइन को और मजबूत करने की भी योजना है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि बजट चर्चा के दौरान विपक्ष सभी मुद्दों को उठाएगा।

'सूरज' की शिकायत : 'क्राइम ब्रांच' ने कहा- होगी सख्त कार्रवाई...

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में शराब कारोबारी सूरज रजक पर 300 करोड़ की जमीन कब्जाने के आरोप में दर्ज हुई एफआईआर का मामला अब भी सुर्खियों में है... इस मामले में शिकायत करने वाली टीवी एक्ट्रेस रेमन कक्कर ने एक बार मीडिया में बयान देते हुए कहा - 'हम किसी को हाथ जोड़कर मना कर रहे हैं कि हमें किराए पर जमीन नहीं देना है, लेकिन इसके बाद भी सामने वाला हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा है... यह मेरे लिए सरप्राइजिंग था... मुंबई में ऐसा कुछ नहीं देखा, जैसा इंदौर में देखने को मिल रहा... देवास नाके पर मेरी 6.84 एकड़ जमीन है... इसमें से सवा एकड़ जमीन इंदौर विकास प्राधिकरण को विकास के लिए दी गई है... सूरज ने मेरे हसबैंड और भाई को फोन कर 6 हजार स्क्वॉयर फीट जमीन किराए पर शराब की दुकान के लिए मांगी, लेकिन उन्होंने मना कर दिया... इसके बाद वह मेरी मम्मी से मिलने घर आया और जमीन किराए पर देने को कहा, मम्मी ने भी मना कर दिया... यह जमीन मेरी मम्मी, दोनों

भाई और मेरे नाम पर है... 3 अप्रैल को मैं मुंबई से इंदौर आई थीं... दोपहर में पता चला कि जमीन पर कब्जा हो रहा है, मैं तुरंत वहां पहुंचीं... वहां खंभे गड़े थे और शेड बन रहा था... इस दौरान पुलिस ने भी मदद की... जब लसूड़िया थाने पहुंचीं, पुलिसकर्मियों ने कहा कि टीआई नहीं हैं, कुछ देर बाद आना तब एफआईआर लिखी जाएगी... फिर टीआई आए और देर रात एफआईआर दर्ज की गई... रविवार को पता चला कि सूरज रजक ने भी थाने में आवेदन दिया, जो कि गलत है... यह जमीन मेरे पिता ने 1964 में खरीदी थी... इसका कुछ हिस्सा 2010 में इंदौर विकास प्राधिकरण को विकास के लिए दिया गया...'' हालांकि इस मामले में सूरज रजक कुछ कहने से बच रहे... इस प्रकरण के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर इतना जरूर लिखा कि ''जाने कितनों को एक दिन की रोटी और मिल गई, मुझे बदनाम करने की साजिश करने पर...'' उधर, इस मामले में एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने कहा कि ''शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज किया गया है... जांच जारी है... जो भी तथ्य सामने आएंगे उसेक अनुसार सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी...''

एसआई ने 50 हजार की रिश्वत मांगी इसलिए जान दे रहा हूं...

एसआई को किया सस्पेंड, जांच के आदेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राऊ थाना क्षेत्र के पलाश परिसर में एक टैक्सी चालक ने फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। आत्महत्या करने से पहले उसने वीडियो बनाया जिसमें उसने राजेंद्र नगर थाने में पदस्थ पुलिस अफसर पर पचास हजार रुपए रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। वीडियो वायरल होते ही डीसीपी ने एसआई को निलंबित कर जांच के आदेश दे दिए हैं। बताया जा रहा है कि टैक्सी चालक की कार का सोमवार को एक्सीडेंट हो गया था जिसकी जांच एसआई कर रहे थे। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक का नाम अभिषेक पिता सुरेश पाटिल (25) निवासी पलाशर परिसर है। उसका शव घर में फंदे पर लटका मिला। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर पीएम के लिए अस्पताल पहुंचाया और पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं फ्लैट को सील कर दिया गया है। बताते हैं कि मृतक अभिषेक पाटिल ने आत्महत्या करने से पहले वीडियो बनाया और दोस्तों को भेज दिया। वीडियो में मृतक बता रहा है कि वह टैक्सी चालक है और सोमवार को उसकी कार दसरी कार से भिड़ गई थी। इस पर मौके पर आए राजेंद्र नगर थाने के एसआई मनोहर पाल ने कार छोड़ने के एवज में उससे पचास हजार रूपए की मांग की। जब उसने असमर्थता जताई तो एसआई ने उसके साथ मारपीट की। इस घटना से वह आहत है। एसआई पाल को डीसीपी कृष्णलाल चंदानी ने निलंबित कर जांच के आदेश दिए हैं।

वीडियो में टैक्सी चालक ने ये भी कहा

अभिषेक ने वीडियो में ये भी कहा कि उसे थाने ले जाने वाले पुलिसकर्मियों ने एसआई से मिलकर बदसलूकी की और दबाव बनाया। वह कार की मरम्मत कराने के लिए भी तैयार हो गया था, एसआई तैयार नहीं हुए, उससे रूपए की मांग करते रहे। एसीपी निधि सक्सेना का कहना है कि पाटिल किराए से पलाश परिसर में रहता था। फ्लैट में पुलिस को शराब की बोतलें, बीड़ी सिगरेट व अन्य नशीले पदार्थ मिले। एसीपी का कहना है कि उसके द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जाएगी। फिलहाल एसआई पर कार्रवाई की गई है। शुरूआती जांच में पता चला है कि मृतक अभिषेक पाटिल आपराधिक प्रवृत्ति का था। उस पर वर्ष 2012 में लूट का प्रकरण दर्ज हुआ था।

जूनी इंदौर थाने पहुंचे बीजेपी पार्षद कालरा और समर्थक

सीपी-टीआई से चर्चा के बाद दोनों पक्ष लौटे; पार्किंग को लेकर महिला से हुई थी कहासुनी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जूनी इंदौर थाने में मंगलवार रात बीजेपी पार्षद कमलेश कालरा अपने समर्थक सचिन जेसवानी के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंचे। सूचना मिलने पर सचिन जेसवानी भी थाने पहुंच गए। हालांकि दोनों पक्ष पुलिस अधिकारियों से मिलकर वापस लौट गए।

कुछ दिन पहले सचिन जेसवानी से जुड़ा एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक महिला से पार्किंग को लेकर कहासुनी होती दिखाई दी थी। यह वीडियो पमनानी नाम के युवक ने बनाया था, जिसे कालरा का समर्थक बताया जा रहा है।

सचिन जेसवानी ने थाने में आवेदन देकर आरोप लगाया था कि महिला ने एक किरायेदार रखा है, जो उनके घर के पास कार पार्क करता है, लेकिन उसकी जानकारी थाने में नहीं दी गई। इसके बाद महिला ने किरायेदार को हटा दिया। वहीं, महिला ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि उसका सचिन से कोई विवाद नहीं है। मंगलवार को कमलेश कालरा उसी महिला के साथ एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे थे, लेकिन दोनों पक्ष एसीपी और टीआई से चर्चा के बाद बिना शिकायत दर्ज कराए वापस लौट गए।

अस्पतालों में नियुक्त होंगे ट्रांसप्लांट कॉर्डिनेटर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश को इंदौर शहर को अंगदान में देश में अव्वल बनाने की तैयारी चल रही है। इसी क्रम में मंगलवार को इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने अंगदान को बढ़ावा के उद्देश्य से शहर के विभिन्न अस्पतालों के संचालकों की बैठक ली। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि अंगदान के क्षेत्र में इंदौर संभाग अच्छा कार्य कर रहा है। इसमें शहर के 13 अस्पतालों के संचालक, डॉक्टर्स और विभिन्न सामाजिक संस्थाएं लगातार जागरूकता के कार्यक्रम चला रही है। इन कार्यक्रमों को एक सकारात्मक आंदोलन के रूप में बदलने की आवश्यकता है, ताकि इंदौर संभाग अंगदान के क्षेत्र में केवल प्रदेश में ही नहीं देश में भी अव्वल आ सके। डॉ. खाड़े ने कहा कि अंगदान मानवता को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अत: इस कार्य को मानवीयता और संवेदनशीलता के साथ किया जाना चाहिये। अंगदान के प्रति लोगों को अधिक से अधिक प्रेरित करने की आज आवश्यकता है। जो लोग अंगदान करना चाहते हैं लेकिन आर्थिक अभाव के कारण निर्णय नहीं ले पाते, ऐसे लोगों को चिन्हित कर उन्हें आर्थिक मदद की जाए। संभागायुक्त डॉ. खाडे ने कहा कि अंगदान से समाज में एक बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

डीएवीवी ने पत्राचार के छात्रों के लिए यूजीसी के नियम को किया साइड लाइन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) पाठ्यक्रमों में सालभर के भीतर दो बार प्रवेश देने का नियम बनाया है, लेकिन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के आनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर ने इस नियम से अलग होने का फैसला लिया है। अब यहां विद्यार्थियों को सालभर में सिर्फ एक ही बार दाखिला मिल सकेगा।

बदलाव की मुख्य वजह जनवरी सत्र में प्रवेश लेने वालों की संख्या कम रहती है। गिनती की सीटें भर पाती थीं। इसके चलते अब सिर्फ जुलाई में प्रवेश प्रक्रिया रखी जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक मई-जून में प्रवेश से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। डीएवीवी से दूरस्थ शिक्षा निदेशालय से तीन वर्षीय एमबीए पाठ्यक्रम संचालित होता था, लेकिन 2019 से यूजीसी ने डिस्टेंस लर्निंग पाठ्यक्रम में नया विकल्प रखा। इसके तहत पाठ्यक्रम को दो वर्षीय बनाया गया। ऑनलाइन व डिस्टेंस लर्निंग से दो वर्षीय एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रम शुरू किया गया। इस योजना से डीएवीवी भी जुड़ गया। 2022 से 1000 सीट पर एमबीए और 350 सीटों पर एमसीए शुरू किया गया। यूजीसी ने इन पाठ्यक्रमों में जुलाई और जनवरी सत्र में प्रवेश देने की व्यवस्था रखी। शुरुआत में डीएवीवी ने दोनों सत्र में प्रवेश प्रक्रिया रखी, मगर जनवरी सत्र के लिए विद्यार्थियों में रुचि कम नजर आई। इस वजह से डीएवीवी के सेंटर में प्रवेश कम हुए।

नौकरीपेशा लेते हैं प्रवेश

ऑनलाइन-डिस्टेंस लर्निंग के अंतर्गत संचालित होने वाले पाठ्यक्रम में नौकरीपेशा उम्मीदवारों की रुचि अधिक रहती है, क्योंकि नौकरी के साथ ही पढ़ाई भी होती है। इसके चलते वे जुलाई सत्र में प्रवेश लेते हैं। विभाग के मुताबिक शुरुआत में जनवरी सत्र में प्रवेश प्रक्रिया की गई, लेकिन 10-15 से ज्यादा विद्यार्थियों ने दाखिला नहीं लिया। साल में दो मर्तबा प्रवेश प्रक्रिया करने से विभाग का समय अधिक बर्बाद होता है। इसके चलते अब जुलाई से ही नौकरीपेशा को दाखिला दिया जाएगा।

नहीं भर पाती हैं सीटें

ऑनलाइन व डिस्टेंस लर्निंग एमबीए और एमसीए की सीटें फुल नहीं होती हैं। हर साल महज 25 फीसद सीटों पर दाखिला होता है। इन दिनों दोनों पाठ्यक्रम में मिलकर 400 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। एमबीए-एमसीए की फीस 19800 रुपये है।

नहीं बन पाई बिल्डिंग

तक्षशिला परिसर स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडी (आईएमएस) के भवन से दूरस्थ शिक्षा निदेशालय संचालित होता था। यहां पच्चीस सालों तक प्रत्येक रविवार को कक्षाएं लगीं। उस दौरान दोनों विभागों के बीच भवन को लेकर काफी खींचतान होती थी। 2012 में दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के भवन को मंजूरी मिली।

तीन करोड़ रुपये की राशि भी निर्धारित की गई, मगर भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। इस बीच 2020 से आईईटी में निदेशालय को शिफ्ट कर दिया। उसके बाद ही ऑनलाइन व डिस्टेंस लर्निंग सेंटर बनाया गया।

रोजाना सुनवाई — ऐतिहासिक दस्तावेजों में आई बात- यह मंदिर ही है

धार भोजशाला पर 1935 से पहले यहां कभी नमाज नहीं हुई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● धार भोजशाला को लेकर चल रही सुनवाई में दूसरे दिन भी दो घंटे तक बहस हुई और हिंदू पक्ष द्वारा अपने तर्क रखे गए। इसमें कहा गया कि Once a temple, always a temple, यानी एक बार मंदिर रहा स्थल हमेशा मंदिर ही माना जाएगा। सुनवाई बुधवार को भी होगी।

धार भोजशाला को लेकर शुरू हुई अंतिम सुनवाई मंगलवार को भी जारी रही। हिंदू फ्रंट की याचिका पर वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने तर्क रखे। इसमें पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट के साथ ही ऐतिहासिक दस्तावेज पेश किए गए। कहा गया कि Once a temple, always a temple, यानी एक बार मंदिर रहा स्थल हमेशा मंदिर ही माना जाएगा। साल 1935 में यहां लगा भोजशाला का बोर्ड हटाया गया और इसके बाद पहली बार नमाज की गई।

एएसआई की रिपोर्ट के तथ्य रखे गए- वरिष्ठ अधिवक्ता जैन और उनके साथ अधिवक्ता विनय जोशी ने अपनी बात रखी। भोजशाला

का इतिहास बताते हुए कहा कि इसका इतिहास मस्जिद से सैकड़ों साल पुराना है। एएसआई की रिपोर्ट में हवन कुंड, खंभों पर संस्कृत के श्लोक जैसे कई तथ्य मिले हैं, जिनका मस्जिद में कोई उपयोग नहीं होता। सर्वे में संस्कृत यंत्र, सूर्य और हवन कुंड के प्रमाण मिले हैं। सुनवाई के दौरान कुतुब मीनार का भी उल्लेख हुआ। कहा गया कि राजा भोज ने इसका निर्माण कराया था।

विदेश में एक नहीं, दो प्रतिमाएं हैं- वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि भोजशाला से सिर्फ एक नहीं, बल्कि दो प्रतिमाएं विदेश गई थीं। एएसआई रिपोर्ट के अनुसार परिसर में मौजूद स्तंभ, छत और दीवारों पर कमल और देवी देवताओं से जुड़े प्रतीकों की नक्काशी पाई गई है, जो पारंपरिक हिंदू मंदिर वास्तुकला को दर्शाती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।